बृहस्पतिवार
25 नवम्बर 2021

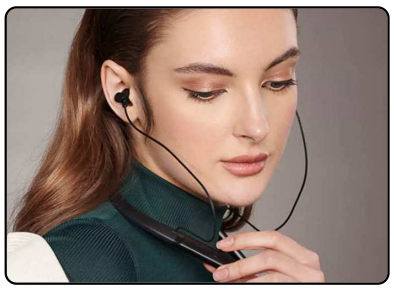

पृष्ठ 4

करते हैं ब्लूटूथ का इस्तेमाल, तब इन बातों का रखे खास ध्यान

पृष्ठ 5

विद्या बालन ने की रोमांटिक कॉमेडी फिल्म की घोषणा

● देहरादून
● वर्ष 28
● अंक 283
● पृष्ठ 8
● मूल्य ₹ 1.00

आज का विचार

मेरे समझ से प्रशासन का मूल विचार यह होना चाहिए की समाज को एकजुट रखा जाए ताकि वह विकास कर सके अपने लक्ष्यों को पूरा कर सके।
– लाल बहादुर शास्त्री

दूनवैलीमेल

29 वां वर्ष
email: doonvalley_news@yahoo.com
आर.एन.आई. 59626/94
Website: dunvalleymail.com
सांध्य दैनिक
डीएवीपी से मान्यता प्राप्त

पत्नी और खुद को मारी गोली, दोनों की मौत

हमारे संवाददाता

देहरादून। रानीपोखरी क्षेत्र में आज सुबह एक व्यक्ति द्वारा अपनी पत्नी की गोली मारकर हत्या करने के बाद खुद आत्महत्या कर ली गयी है। सूचना मिलने पर पुलिस ने तत्काल मौके पर पहुंच कर शवों को कब्जे में लेने के उपरांत अग्रिम कार्यवाही शुरू कर दी है। सुबह सवेरे हत्या व आत्महत्या की इस घटना के बाद क्षेत्र में हड़कंप मचा हुआ है। जबकि फारेंसिक टीम व पुलिस घटना की जांच में जुटी हुई है।

जानकारी के अनुसार आज सुबह लगभग नौ बजे ग्राम चौकीदार कुंदन सिंह रावत निवासी रखवाल गांव भोगपुर द्वारा थाना रानीपोखरी पुलिस को सूचना दी गयी कि रखवाल गांव में एक व्यक्ति ने अपनी पत्नी व खुद को गोली मार दी है। सुबह सवेरे हत्या व आत्महत्या की इस सूचना के बाद पुलिस ने तत्काल कार्यवाही करते हुए मौके पर पहुंच कर दोनों शवों को कब्जे में ले लिया। जानकारी करने पर पता चला कि मृतक विरजी कृषाली पुत्र स्वर्गीय महेंद्र कृषाली (58) निवासी रखवाल गांव भोगपुर थाना रानीपोखरी द्वारा अपनी खुद की लाइसेंसी बंदूक से अपनी पत्नी कुसुम कृषाली (55) व खुद को गोली मार दी गयी है। जिनकी मौके पर ही मृत्यु हो गयी है। पुलिस को घर पर ही मृतक की बहू मौजूद मिली। जिसने जानकारी करने पर बताया कि मैं घर के अंदर ही मौजूद थी पर इस बात की मुझे कोई जानकारी नहीं हो पाई कि यह घटना कैसे हुई है। बहरहाल पुलिस ने दोनों शवों का पंचायत नामा भरकर पोस्टमार्टम हेतु भेज दिया है। जबकि घटना के संबंध में पुलिस जांच में जुटी है।

मौके पर फील्ड यूनिट की टीम द्वारा की गयी जांच के दौरान सामने आया कि मृतका कुसुम कृषाली के गले एवं पेट के पास गोलियां लगी हैं तथा मृतक विरजी कृषाली के माथे पर गोली लगी है। पुलिस को मौके पर लाइसेंसी बंदूक खोखे बरामद हुए है। जिसमें दो खोखे मौके पर पड़े मिले तथा एक जिंदा कारतूस व एक खोखा बंदूक के अंदर मौजूद मिला। जिससे स्पष्ट हो रहा है कि मृतक द्वारा पहले अपनी पत्नी को दो गोली मारी गयी तथा फिर अपने आप को एक गोली मार कर आत्महत्या कर ली गई। जिस कारण एक जिंदा कारतूस एवं एक खोखा कारतूस बंदूक के अंदर मौजूद मिला। बहरहाल पुलिस ने शवों का पंचनामा भर पोस्टमार्टम के लिए भिजवा दिया है।

युवाओं को अवसर, उम्र दराजों से दूरी

संवाददाता

देहरादून। भाजपा पूरे जोर-शोर के साथ मिशन 2022 में जुट गई है। चुनाव प्रबंधन समिति की बैठक में आज भाजपा नेताओं द्वारा अपनी चुनावी तैयारियों का खाका तैयार करने पर चर्चा की गई वहीं प्रत्याशी चयन में युवाओं को प्राथमिकता दिए जाने और उम्र दराज नेताओं को चुनाव लड़ाने न लड़ाने जैसे मुद्दों पर विचार किया गया।

केंद्रीय चुनाव प्रभारी प्रह्लाद जोशी का कहना है कि भाजपा अपने तय कार्यक्रमों से भी आगे बढ़कर काम कर रही है। जो उसके तय लक्ष्य अब की बार 60 पार को हासिल करने में सहायक होगा। युवा सरकार, युवा जोश के साथ आगे बढ़ रही भाजपा इस बार चुनाव में युवाओं को अधिक तवज्जो देने का मन बना चुकी है। पिछले 2017 के चुनाव में भाजपा ने 70 में से 57 सीटों पर जीत दर्ज की थी इस बार इस संख्या को 60 के पार ले जाने का लक्ष्य रखा गया है। जिसे पार्टी के युवा कार्यकर्ता हासिल करने के लिए जी जान से जुटे हुए हैं। युवाओं को प्राथमिकता देने के साथ पार्टी उम्र दराज नेताओं को चुनाव में न उतारने के पक्ष में है वही बहुत कम

❑भाजपा चुनाव प्रबंध समिति की बैठक में चुनावी मुद्दों पर माथापच्ची

अंतर से जीतने वाले प्रत्याशियों या जिनके जीतने की संभावनाएं संदिग्ध है उन सीटों पर नए नामों पर अधिक फोकस रहेगा। ऐसी स्थिति में भाजपा के लगभग दर्जनभर सिटिंग विधायकों के टिकट काटे जा सकते हैं।

चुनाव प्रभारी प्रह्लाद जोशी व सहप्रभारियों ने आज भाजपा के शीर्ष नेताओं की बैठक कर प्रभावी चुनावी मुद्दों पर चर्चा की, वहीं 2017 के दृष्टि पत्र में किए गए वायदों में कितने पूरे हुए और कितने पूरे नहीं हो सके इसकी भी समीक्षा की गई। जिससे भाजपा नेता चुनाव प्रचार के दौरान अपनी सरकार की उपलब्धियों को रख सकें। बैठक में मौजूद प्रदेश अध्यक्ष मदन कौशिक, पूर्व मुख्यमंत्री विजय बहुगुणा, तीरथ सिंह

◀◀ शेष पृष्ठ 8 पर

ममता बनर्जी से मुलाकात के बाद सुब्रमण्यम स्वामी ने मोदी सरकार को हर मोर्चे पर विफल बताया

नई दिल्ली। टीएमसी सुप्रीमो और पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी से मिलने के बाद बीजेपी नेता सुब्रमण्यम स्वामी के तेवर पूरी तरह बदले नजर आ रहे हैं। सुब्रमण्यम स्वामी ने अपनी पार्टी और केन्द्र सरकार पर जमकर हमला बोला है। उन्होंने मोदी सरकार को हर मोर्चे पर विफल बताया है। उन्होंने केन्द्र की मोदी सरकार का रिपोर्ट कार्ड जारी करते हुए सरकार को हर मोर्चे पर विफल बताया है। सुब्रमण्यम स्वामी ने बुधवार को सीएम ममता बनर्जी से मुलाकात की थी। मुलाकात के बाद उन्होंने ममता की तारीफ में जमकर कसीदे पढ़े। उन्होंने कहा कि ममता की कथनी और करनी में कोई फर्क नहीं है। उन्होंने ममता बनर्जी की छवि को मोरारजी देसाई, जय प्रकाश नारायण, राजीव गांधी सरीखे नेता बताया। वहीं ममता बनर्जी से मुलाकात के बाद जब सुब्रमण्यम स्वामी से पूछा गया कि क्या वो टीएमसी में शामिल हो रहे हैं तो उन्होंने कहा कि मैं पहले से ही उनके साथ हूं। पार्टी में शामिल होने की फिलहाल जरूरत नहीं है। गौरतलब है कि बीते कई समय से सुब्रमण्यम स्वामी पार्टी से नाराज चल रहे हैं। पार्टी और सरकार में खास भूमिका नहीं मिलने से सुब्रमण्यम स्वामी आलाकमान से नाराज हैं। इससे पहले भी बीजेपी के आरोप को लेकर उन्होंने ममता बनर्जी को सच्चा हिन्दु बताकर अपनी ही पार्टी की किरकिरी कर दी थी। अब ममता से मिलकर खुलकर वो बीजेपी के विरोध में आ गये है। सुब्रमण्यम स्वामी ने केन्द्र की मोदी सरकार का रिपोर्ट कार्ड जारी करते हुए कहा कि, मोदी सरकार सभी मोर्चों पर विफल रही है।

देश में एक दिन में कोविड-19 के 9119 नए मामले सामने आए, 396 और लोगों की मौत

नयी दिल्ली। भारत में एक दिन में कोविड–१९ के ९,११९ नए मामले सामने आने के बाद देश में कोरोना वायरस के संक्रमितों की संख्या बढ़कर ३,४५,४४,८८२ हो गई। वहीं, उपचाराधीन मरीजों की संख्या घटकर १,०९,९४० हो गई, जो ५३९ दिन में सबसे कम है।

केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय की ओर से बृहस्पतिवार को सुबह आठ बजे जारी किए गए अद्यतन आंकड़ों के अनुसार, देश में संक्रमण से ३९६ और लोगों की मौत के बाद मृतक संख्या बढ़कर ४,६६,९८० हो गई। देश में लगातार ४८ दिन से कोविड–१९ के दैनिक मामले २० हजार से कम हैं और १५१ दिन से ५० हजार से कम दैनिक मामले सामने आ रहे हैं।

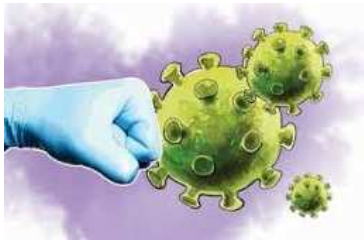

उपचाराधीन मरीजों की संख्या भी घटकर १,०९,९४० हो गयी है, जो संक्रमण के कुल मामलों का ०.३२ प्रतिशत है। यह दर मार्च २०२० के बाद से सबसे कम है। पिछले २४ घंटों में कोविड–१९ के उपचाराधीन मरीजों की संख्या में १,५४१ की कमी दर्ज की गयी है। मरीजों के ठीक होने की राष्ट्रीय दर ९८.३३ प्रतिशत है, जो मार्च २०२० के बाद से सर्वाधिक है। देश में पिछले साल सात अगस्त को संक्रमितों की संख्या २० लाख, २३ अगस्त को ३० लाख और पांच सितंबर को ४० लाख से अधिक हो गई थी। वहीं, संक्रमण के कुल मामले १६ सितंबर को ५० लाख, २८ सितंबर को ६० लाख, ११ अक्टूबर को ७० लाख, २९ अक्टूबर को ८० लाख और २० नवंबर को ९० लाख के पार चले गए थे। देश में १९ दिसंबर को ये मामले एक करोड़ के पार, इस साल चार मई को दो करोड़ के पार और २३ जून को तीन करोड़ के पार चले गए थे।

देश में पिछले साल सात अगस्त को संक्रमितों की संख्या २० लाख, २३ अगस्त को ३० लाख और पांच सितंबर को ४० लाख से अधिक हो गई थी।

दून वैली मेल

संपादकीय

राजनीति के दांव पेच

बीते कल प्रदेश कांग्रेस की स्क्रीनिंग कमेटी की बैठक के बाद चेयरमैन अविनाश पांडे ने एक बात साफ कर दी है कि 2022 का चुनाव किसी के चेहरे पर नहीं लड़ा जाएगा, पार्टी सामूहिक नेतृत्व में ही चुनाव लड़ेगी। इससे पूर्व कांग्रेस प्रदेश प्रभारी देवेंद्र यादव भी चुनाव से पूर्व मुख्यमंत्री का चेहरा घोषित करने से मना कर चुके हैं। इससे अब साफ हो चुका है कि कांग्रेस किसी व्यक्ति विशेष के चेहरे पर चुनाव नहीं लड़ेगी। हरीश रावत और उनके समर्थक जो लंबे समय से चेहरे पर चुनाव लड़ने की वकालत कर रहे थे और हरीश रावत को सीएम का चेहरा घोषित करने के लिए दबाव बना रहे थे उन्हें थोड़ी निराशा जरूर हो सकती है लेकिन सामूहिक नेतृत्व में चुनाव लड़ने के इस निर्णय का यह मतलब नहीं है कि हरीश रावत को मुख्यमंत्री नहीं बनाया जा सकता। अगर पार्टी चुनाव जीतती है तो उनकी दावेदारी भी बरकरार रहेगी। एक अन्य महत्वपूर्ण बात इस संदर्भ में यह भी है कि खुद हरीश रावत यशपाल आर्य के कांग्रेस में वापसी से पूर्व तथा उनके आने के बाद कई बार यह कह चुके हैं कि उनके सक्रिय राजनीति में रहते हुए अगर किसी दलित को मुख्यमंत्री बनाया जाता है तो वह खुशी-खुशी मुख्यमंत्री पद की दावेदारी को छोड़ देंगे। वही मुख्यमंत्री का चेहरा घोषित करने के सवाल पर नेता विपक्ष प्रीतम सिंह भी यह कह चुके हैं कि उनका चेहरा भी तो बुरा नहीं है। हरीश रावत और प्रीतम सिंह के इन राजनीतिक बयानों के पीछे क्या-क्या दांव पेच रहे हैं? इसे सभी नेता बखूबी जानते समझते हैं। लेकिन एक बात साफ है कि चुनाव पूर्व सीएम का चेहरा घोषित न किए जाने और सामूहिक नेतृत्व में चुनाव लड़ने के इस फैसले से हरीश रावत की दावेदारी कमजोर जरूर हो गई है। भले ही यह अभी दूर की कौड़ी सही क्योंकि अभी चुनाव जीतना है उसके बाद ही इस पर बात की जा सकती है कि मुख्यमंत्री किसे बनाया जाए? लेकिन कांग्रेस चुनाव जीतती है तो दलित मुख्यमंत्री का शगुफा छेड़ने वाले हरीश रावत पर यशपाल आर्य भारी पड़ सकते हैं। वही प्रीतम सिंह जो खुद की दावेदारी तो ठोक ही सकते हैं साथ ही खुद को मुख्यमंत्री न बनता देख आर्य के समर्थन में खड़े हो सकते हैं। बीते कुछ दिनों से हरीश रावत खुद ही चुनाव लड़ने से मना कर रहे हैं उनका यह कहना है कि मैं चुनाव लड़ना नहीं लड़ाना चाहता हूं और कांग्रेस को फिर जिताना उनके लिए ज्यादा जरूरी है। उनके इन बयानों का मतलब भी घुमा फिरा कर यही है कि वह कांग्रेस की जीत का सेहरा खुद के सर ही बांधना चाहते हैं अगर जीत का सेहरा उनके सर बंध जाएगा को सीएम का मुकुट तो अपने आप उनके सर सज ही जाएगा। खैर नेताओं के इन राजनीतिक दांव पेंचों से ज्यादा जरूरी है उनके लिए पार्टी की जीत। सीएम का चेहरा घोषित करने पर पार्टी की गुटबाजी जिसका मुखर होना तय था फिलहाल वह सार्वजनिक नेतृत्व में चुनाव लड़ने के फैसले से इसकी संभावनाएं तो कम हो ही गई है। मुख्यमंत्री बनने की बात रही तो इस पर फैसला लेने के लिए अभी बहुत समय शेष है तब तक गंगा यमुना में बहुत सारा जल बह जाएगा। और स्थितियां परिस्थितियों में भी भारी बदलाव होना स्वभाविक है।

हैरान-परेशान, आ रहे मेहमान

पूरन सरमा

मैंने अपने एक मित्र को फोन किया, 'क्यों भाई क्या कर रहे हो?' मित्र ने बहुत अनमने मन से उत्तर दिया, 'अरे यार, रेलवे स्टेशन जा रहा हूं, मेहमान आ रहे हैं।' मैंने हंसकर कहा, 'क्यों मजाक कर रहे हैं, यह नयी सदी में मेहमानों का क्या लफड़ा है? अब कौन मेहमान बनना पसंद करता है और मेजबान भी नहीं रहे।' मित्र ने जवाब दिया, 'मजाक नहीं कर रहा, आज वाकई मेहमान आ रहे हैं और वह भी तीन दिनों के लिए।' मैंने उससे पूछा, 'अब क्या करोगे तुम?' मित्र एक पल चुप्पी साध गये और फिर बोले, 'अब जो भी होगा, देखा जायेगा। मेहमान भी बहुत नजदीक के हैं। टाला भी नहीं जा सकता।' 'लेकिन यार, यह तीन दिनों का टाइम कैसे निकाल लाये। अब तो मेहमान एक टाइम का होता है। यह तीन दिन तक उनकी सेवा में लगे रहना तो बड़ा मुश्किल है। यह तो बताओ उनकी संख्या कितनी है।' मैंने पूछा तो वे बोले, 'पूरे परिवार सहित चारों सदस्य आ रहे हैं।' मैंने कहा, 'ठण्ड का वक्त है। रजाइयां तो हैं न घर में स्पेयर?' मित्र बोले, 'नहीं हैं यार, लेकिन टैंट हाउस से ले आया हूं।' 'और राशन पानी?' मैंने पूछा। वे बोले, 'वह तो चिंता की बात नहीं है। सैलरी परसों ही मिली है। पत्नी ने नाश्ते, लंच और डिनर का तीनों दिन का मैनू बना लिया है।' मैंने कहा, 'भैया ध्यान रखना, अपने शहर में पर्यटन स्थल कई हैं। कहीं वे अपना प्रोग्राम न बदल दें। मेरा मतलब ठहरने की अवधि पांच दिनों में न बदल जाये।' मित्र ने बताया, 'नहीं-नहीं, वह मैं दो दिनों में ही सुलटा दूंगा ताकि तीसरे दिन तो वे खिसक ही लें। अच्छा मैं बाद में बात करूंगा। गाड़ी का टाइम हो गया है, अभी थ्री-व्हीलर लेकर निकलता हूं।' मैंने कहा, 'आमीन, भगवान तुम्हारा हौसला बनाये रखे।' यह कहकर फोन काट दिया। फोन तो काट दिया, लेकिन मैं डर गया। मैंने पत्नी से कहा, 'जल्दी एक कप चाय बनाओ। थोड़ा मन डिप्रेस-सा हो गया है।' पलक झपकते पत्नी चाय बनाकर ले आई। मैंने कहा, 'बैठो, सुनो वर्मा जी के मेहमान आ रहे हैं।' मेरी बात पर वह हंसी और बोली, 'आने दो न। उनके तो आने भी चाहिए, बड़े इतराते फिरते हैं। अब पता चलेगा कि तीन दिन तक कैसे पराये आदमी को भुगतना पड़ता है। लेकिन आप डिप्रेस क्यों हो रहे हैं। यह तो खुशी की बात है कि मेहमान वर्मा जी के आ रहे हैं। हमारे तो आने से रहे।'

काशी के विश्वनाथ या विश्वनाथ जी की उत्तरकाशी

लोकेन्द्र सिंह बिष्ट

जी हां आज बात करते हैं भगवान विश्वनाथ जी की। विश्वनाथजी यानी भगवान आशुतोष जी भोले माहाराज जी के मंदिर हिन्दू देवस्थानो में से सर्वाधिक सुप्रसिद्ध हैं। वो वाराणसी के भगवान विश्वनाथ जी हों या उत्तरकाशी के विश्वनाथ जी।

पहले बात करते हैं उत्तरकाशी के प्रमुख धार्मिक स्थलों में से एक काशी विश्वनाथ जी की। उत्तरकाशी को प्राचीन समय से ही विश्वनाथ की नगरी कहा जाता था और कालांतर में इसको उत्तरकाशी कहा जाने लगा। केदारखंड और पुराणों में उत्तरकाशी के लिए बाडाहाट शब्द का प्रयोग किया गया है और पुराणों में इसे सौम्य काशी भी कहा गया है । उत्तराखण्ड के काशी विश्वनाथ मंदिर की स्थापना परशुराम जी द्वारा की गई थी। मंदिर में विश्वनाथ भगवान प्रकट हुए थे।

विश्वनाथ मंदिर हिंदूओं के आराध्य देव भगवान शिव को समर्पित है। माँ गंगा के मायके उत्तरकाशी में गंगा भगवान शिव के दाहिने तरफ बहती हैं। असि और वरुणा के मध्य वरुणावत पर्वत की तलहटी में स्थित विश्वनाथ मंदिर आस्था का बहुत बड़ा केंद्र है। मान्यताओं के अनुसार पत्थरों के ढाँचे के रूप में इस मंदिर का निर्माण गढ़वाल नरेश प्रद्युम्न शाह ने करवाया था। बाद में उनके बेटे महाराजा सुदर्शन शाह की पत्नी महारानी कांति ने १८५७ में इस मंदिर का जीर्णोद्धार करवाया।

भगवान विश्वनाथ मंदिर में एक आश्चर्यचकित कर देने वाला एक शक्ति त्रिशूल है। इस शक्ति त्रिशूल की लम्बाई ८ फूट , ६ इंच है तथा इसकी उंचाई २६ फीट है। विश्वनाथ मंदिर प्राचीन शिवलिंग उपस्थित है, जो कि ५६ सेमी ऊंचा और दक्षिण की ओर झुका हुआ है। शक्ति त्रिशूल

के लिए शक्ति मंदिर भगवान विश्वनाथ मंदिर के ठीक सामने स्थित है । भगवान शिव के वाहन नंदी बैल मंदिर के बाहरी कक्ष में उपस्थित हैं। इस मंदिर को कत्युरी शैली में बनाया गया है। ऐसी मान्यता है कि उत्तरकाशी के काशी विश्वनाथ मंदिर के दर्शन का फल वाराणसी के काशी विश्वनाथ जी के ही बराबर है। माना जाता है की कलियुग में उत्तरकाशी ही एक मात्र ऐसा तीर्थ स्थल होगा जहां भगवान स्वयं स्वयंभू शिवलिंग के रूप में विराजमान होंगे और ये स्वयंभू शिवलिंग काशी विश्वनाथ मंदिर में स्थित है।

भगवान आशुतोष के नाम से भी भगवान विश्वनाथ जी को पुकारा जाता है। पौराणिक कथाओं के अनुसार उत्तरकाशी में ही राजा भागीरथ ने तपस्या की थी और उनकी तपस्या से प्रसन्न होकर ब्रह्मा जी ने उन्हें वरदान दिया था कि भगवान शिव धरती पर आ रही गंगा को धारण कर लेंगे। तब से यह नगरी विश्वनाथ की नगरी कही जाने लगी और कालांतर में इसे उत्तरकाशी कहा जाने लगा । अब बात करते हैं वाराणसी के भगवान विश्वनाथ जी की। काशी विश्वनाथ मंदिर भगवान शिव को समर्पित सबसे प्रसिद्ध हिंदू मंदिरों में से एक है। यह मंदिर पवित्र नदी गंगा के पश्चिमी तट पर स्थित है। यह बारह ज्योतिर्लिंग में से एक है। वाराणसी शहर को ही काशी कहा जाता है। इसलिए उत्तरकाशी की ही तरह वाराणसी में मंदिर को काशी विश्वनाथ मंदिर कहा जाता है।

वाराणसी संसार के सबसे पुरानी नगरों में माना जाता है। उत्तरकाशी की ही तरह वाराणसी भी वरुणा और असी नदियों के गंगा संगमों के बीच बसी हुई है। काशी विश्वनाथ मंदिर विश्व के सर्वाधिक प्राचीन ग्रंथ ऋग्वेद में काशी का उल्लेख मिलता है। ऐसी कथा है कि जब भगवान शंकर ने जब क्रुद्ध होकर ब्रह्माजी का पांचवां सिर काटा तो वह उनके करतल से चिपक गया।

बारह वर्षों तक अनेक तीर्थों में भ्रमण करने पर भी वह सिर भोले से अलग नहीं हुआ। किंतु जैसे ही उन्होंने काशी की सीमा में प्रवेश किया, ब्रह्महत्या ने उनका पीछा छोड़ दिया और वह कपाल भी अलग हो गया। जहां यह घटना घटी, वह स्थान कपालमोचन-तीर्थ कहलाया। महादेव को काशी इतनी अच्छी लगी कि उन्होंने इस पावन पुरी को विष्णुजी से अपने नित्य आवास के लिए मांग लिया। तब से काशी उनका निवास-स्थान बन गया। एक और कथा हरिवंशपुराण के अनुसार काशी को बसानेवाले भरतवंशी राजा श्काशश थे। कुछ विद्वानों के मत में काशी वैदिक काल से भी पूर्व की नगरी है। शिव की उपासना का प्राचीनतम केंद्र होने के कारण ही इस धारणा का जन्म हुआ जान पड़ता है।

सामान्य रूप से शिव उपासना को पूर्ववैदिककालीन माना जाता है। वाल्मीकि रामायण में सुग्रीव द्वारा वानरसेना को पूर्वदिशा की ओर भेजे जाने के संदर्भ में काशी और कोसल जनपद के निवासियों का वर्णन मिलता है। बौद्ध काल में, गौतम बुद्ध के जन्म के पूर्व तथा उनके समय में काशी को बहुत प्रसिद्धि प्राप्त हो चुकी थी। जातक कथाओं में काशी जनपद का अनेक बार उल्लेख आया है। जिससे ज्ञात होता है कि काशी एक समय विद्या, संस्कृति, संस्कार और सांस्कृतिकत व वृहद व्यापार का केंद्र थी। बोधिसत्व के १६ वर्ष की आयु में वहाँ जाकर विद्या ग्रहण करने का भी उल्लेख मिलता है।

कहा जाता है कि गौतम बुद्ध के समय में काशी राज्य कोसल जनपद के अंतर्गत था। कोसल की राजकुमारी का मगधराज बिंबिसार के साथ विवाह होने के समय काशी को दहेज में दे दिया गया था। बुद्ध ने भी अपना सर्वप्रथम उपदेश वाराणसी के संनिकट सारनाथ में दिया था। जिससे उसके तत्कालीन धार्मिक तथा सांस्कृतिक महत्व का पता चलता है।

बिंबिसार के पुत्र अजातशत्रु ने काशी को मगध राज्य का अभिन्न भाग बना लिया और तत्पश्चात् मगध के उत्कर्षकाल में इसकी यही स्थिति बनी रही। बौद्ध धर्म की अवनति तथा हिंदू धर्म के पुनर्जागरण काल में काशी का महत्व संस्कृत भाषा तथा हिंदू संस्कृति के केंद्र के रूप में निरंतर बढ़ता ही गया।

युवानच्वांग भी अपनी यात्रा के दौरान काशी आए थे। इतिहास में दर्ज है कि युवानच्यांग ने सातवीं शताब्दी ई. के पूर्वार्ध में यहाँ लगभग ३० बौद्ध बिहार और १०० हिंदू मंदिर देखे थे। नवीं शताब्दी ई. में जगद्गुरु शंकराचार्य ने अपने विद्याप्रचार से काशी को भारतीय संस्कृति तथा नवोदित आर्य धर्म का सर्वाधिक महत्वपूर्ण केंद्र बना दिया। काशी की यह सांस्कृतिक परंपरा आज तक अविच्छिन्न रूप से चली आ रही है। जय भोले बाबा,,,,

प्रदेश संयोजक
गंगा विचार मंच,
जलशक्ति मंत्रालय, भारत सरकार

आभूषेण्यं वो मरुतो महित्वनं दिदृक्षेण्यं सूर्यस्येव चक्षणम्।
उतो अस्माँ अमृतत्वे दधातन शुभं यातामनु रथा अवृत्सत।।

(ऋग्वेद ५-५५-४)

हे मनुष्य ! आप उन लोगों का सम्मान और अनुसरण करो जो न्याय के प्रकाश से सूर्य की भांति प्रकाशित हैं। जो धर्म के पथ पर चलते हैं। वो ही आपको मुक्ति का भी मार्ग दिखाएंगे।

O man ! You respect and follow those who are illumined like the sun by the light of justice.They follow the path of Dharma.They will also show you the path of salvation.
(Rig Veda 5-55-4)

मंत्री जोशी ने सांसद बलूनी को दिया शहीद सम्मान कार्यक्रम का निमंत्रण

नगर संवाददाता

देहरादून। कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी ने आज नई दिल्ली में उत्तराखण्ड से राज्यसभा सांसद एवं भाजपा के राष्ट्रीय मीडिया प्रमुख अनिल बलूनी से भेंट की। इस दौरान कैबिनेट मंत्री ने सांसद बलूनी को 2 दिसम्बर को हरिद्वार जनपद के रुड़की में होने वाले शहीद सम्मान कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि उपस्थित होने के लिए आमंत्रित किया।

कैबिनेट मंत्री ने सांसद बलूनी से 144 करोड़ की लागत से बनने वाली मसूरी पेयजल पंम्पिग योजना के शिलान्यास हेतु समय प्रदान करने का अनुरोध भी किया। उन्होंने कहा कि यह योजना मसूरी की तीस हजार से अधिक की जनसंख्या के लिए वरदान साबित होगी। आगामी 20-25 वर्षों तक मसूरी क्षेत्र के लोगों को पेयजल संकट से निजात मिल जाएगी। उन्होंने बताया कि इस योजना का भूमि पूजन हो चुका है और जल्द ही सांसद अनिल बलूनी योजना का शिलान्यास करेंगे।

मिनी ट्यबवेल स्थापित करने की दी अनुमति

बागेश्वर। जिले में पेयजल समस्या का शीघ्र निस्तारण होगा। जिलाधिकारी ने एक मिनी ट्यबवेल स्थापित करने की अनुमति प्रदान कर दी है। उन्होंने टाइड फंड से छह लाख २९ हजार रुपये की धनराशि अवमुक्त कर दी है। जिला अस्पताल में पेयजल संकट बना हुआ था। जिसके कारण मरीजों और तीमारदारों को दिक्कत हो रही थी। जिलाधिकारी ने प्रकरण पर संज्ञान लिया औरप जिला में मिनी ट्रयूबवेल लगाने के लिए आंगणन बनाने के निर्देश दिए। जलसंस्थान ने आंगणन तैयार किया और डीएम ने धनराशि आवंटित की। उन्होंने जलसंस्थान को निर्देश दिए हैं कि वह प्रक्योरमेंट नियमावली २०१७ के अनुपालान करेगा। गुणवत्ता पर विशेष ध्यान देगा और मिनी ट्यूबवेल लगाएगा। जिलाधिकारी ने कहा कि जहां जिला अस्पताल को भरपूर पेयजल मिलेगा वहीं आसपास रहने वालों को भी इसका लाभ मिल सकेगा।

बेरीनाग और कार्कीनगर में स्कूली बच्चों ने निकाली मतदाता जागरूक रैली

संवाददाता

बेरीनाग। मतदाता जागरूक अभियान के तहत जीजीआई बेरीनाग, राजकीय प्राथमिक विद्यालय भट्टीगांव, जीआईसी कार्कीनगर के स्कूली बच्चों ने मतदाता जागरूक रैली निकाली।

बेरीनाग में जीजीआई बेरीनाग और राजकीय प्राथमिक विद्यालय भट्टीगांव के स्कूली बच्चों ने नगर में रैली निकालकर लोगों को मतदान के प्रेरित किया और लोगों को मतदान करने की अपील की। इस मौके पर प्रधानाचार्य उषा पंत, गंगा आर्या, हिमानी बोरा सहित आदि मौजूद थे। उधर जीआईसी कार्कीनगर के स्कूली बच्चों के द्वारा भी कार्कीनगर क्षेत्र में मतदाता जागरूक रैली निकालकर लोगो को मतदान के लिए जागरूक किया। इस मौके पर प्रधानाचार्य लता बिष्ट, श्यामला पुनेठा, गोविदी मेहरा, ममता खाती, प्रदीप जोशी, शंकर पाठक सहित आदि मौजूद थे

नीति आयोग के एसडीजी अर्बन इंडेक्स मे पिछड़ा देहरादून

संवाददाता

देहरादून। स्वच्छ सर्वेक्षण में देहरादून के रैंकिंग में सुधार के शोर-गुल के बीच नीति आयोग ने सस्टेनेबल डेवलपमेंट गोल (एसडीजी) अर्बन इंडेक्स जारी किया है, जिसमें देहरादून की स्थिति औसत से काफी नीचे रही है। वर्ष 2021-22 के जारी किये गये इस इंडेक्स में देहरादून को देश के 56 शहरों में 35वां स्थान मिला है। खास बात यह है कि इस इंडेक्स में पड़ोसी राज्य हिमाचल प्रदेश की राजधानी शिमला को देशभर में पहला स्थान मिला है। कोयंबटूर और चंडीगढ़ दूसरे और तीसरे स्थान पर हैं।

एसडीसी फाउंडेशन के अनूप नौटियाल के अनुसार सस्टेनेबल डेवलपमेंट गोल को स्थानीय स्तर पर लागू करने के लिए नीति आयोग ने यह इंडेक्स जारी किया है। स्थानीय स्तर पर डेटा आधारित सोच और सिटी मॉनिटरिंग तंत्र को विकसित करने की सोच से नीति आयोग ने यह रैंकिंग एसडीजी के 46 टारगेट और 77 इंडिकेटर्स के आधार पर की है। इसके लिए शहरों को शून्य से 100 तक अंक दिये गये हैं।

अनूप नौटियाल ने कहा की प्रदेश

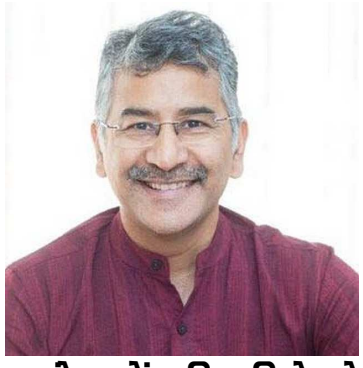

❑इंडेक्स में शामिल किये गये देश के 56 शहर, देहरादून को मिला 35वां स्थान

❑देहरादून के क्लाइमेट एक्शन में सबसे कम अंक

के शहर आर्थिक विकास के इंजन का काम करते हैं और नीति आयोग का स्पष्ट मानना है की शहरों को समग्र और संतुलित विकास के लिए डेटा आधारित निर्णय लेने की जरूरत है। एसडीजी इंडेक्स इसी दिशा मे शहरों से परिवर्तन की अपेक्षा रखते है।

इस इंडेक्स में देहरादून का प्रदर्शन औसत से कम रहा है। 56 शहरों में से देहरादून को 35वां स्थान मिला है। देहरादून ने 63.71 अंक हासिल किये, जबकि हिमाचल प्रदेश की राजधानी शिमला 75.50 अंक लेकर देशभर में पहले स्थान पर है। 73.29अंक के साथ कोयंबटूर दूसरे और 72.36 अंक लेकर चंडीगढ़ तीसरे स्थान पर है। यानी कि देश के 34 शहरों ने सस्टेनेबल डेवलपमेंट गोल्स को स्थानीय स्तर पर लागू करने के मामले में देहरादून से बेहतर किया है और 21 शहरों की स्थिति देहरादून की तुलना में खराब रही है। अनूप नौटियाल का कहना है आज हम शहरीकरण के उस दौर में हैं, जहां बात सिर्फ विकास की नहीं, सतत विकास की है। हमें अब शहरी विकास के सभी पहलू जैसे आर्थिक, सामाजिक और पर्यावरणीय पहलू पर काम करने की जरूरत है । इसके लिए हमें आंकड़ों की जरूरत होती है। अर्बन इंडेक्स का यही उद्देश्य है। उनका कहना है की अब जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों और कर्मचारियों को विकास के नये पैमाने के अनुसार खुद को ढालना और अपडेट करना होगा। पुराने ढर्रे पर चलकर विकास नहीं होगा और हम बुरी तरह पिछड़ जाएंगे।

जीवन पथ की अनजान डगर में बहुत जरूरी है आयुष्मान कार्ड

कार्यालय संवाददाता

देहरादून। देहरादून राज्य स्वास्थ्य प्राधिकरण अचानक आए बुखार से यदि हालत खराब हो जाए और बुखार का प्रभाव दिमाग तक पहुंच जाए तो इस तरह के मरीज के परिजनों की चिंता स्वाभाविक है। लेकिन घबराहट के इन हालातों में राज्य स्वास्थ्य प्राधिकरण द्वारा संचालित आयुष्मान योजना का उन्हें जो सहारा मिला उसे वह कभी नहीं भुला पाएंगे। और आयुष्मान कार्ड के महत्व को समझते हुए लाभार्थी राज्य सरकार का आभार तो जता ही रहे हैं साथ ही लोगों से कार्ड बनाने की अपील कर रहे हैं।

महंत इंद्रेश अस्पताल में अपने बेटे का उपचार करा रही है हरिद्वार लालढांग निवासी माहेश्वरी देवी कहती हैं मेरे बेटे को पहले बुखार आया था। अचानक

ही स्थितियां इतनी गंभीर हो गई कि बुखार उसके दिमाग में चढ़ गया और क्लॉटिंग जैसी स्थितियां बन गई। बात जब दिमाग में क्लॉटिंग की हो तो इस उपचार के खर्च का अंदाजा हर कोई सकता है। वह बताती हैं कि उपचार का खर्चा एक ढेड लाख से कम नहीं है। लेकिन हमने आयुष्मान कार्ड बनाया है। और उसी से ही उपचार ही सारा उपचार हो रहा है। इलाज पर हमारा एक भी पैसा खर्च नहीं हो रहा है।

वह कहती है कि हम सरकार की योजना से जुड़े हैं तो हमें स्टाफ का रिस्पांस भी अपेक्षाकृत बेहतर मिल रहा है। वह कहती हैं कि सब लोगों को अपना आयुष्मान कार्ड बनाना चाहिए। ताकि वक्त मौके पर उसका लाभ लिया जा सके। अस्तपाल में तैनात आयुष्मान मित्र की ओर से मिली मदद पर भी वह कृतज्ञता जताती हैं। माहेश्वरी देवी जैसे लोगों की प्रदेश बड़ी तादाद है जिनके परिजनों का आयुष्मान योजना के तहत मुफ्त उपचार हुआ। और वह भी हर किसी से कार्ड बनाने की अपील करते हुए राज्य व केंद्र सरकार का आभार जताते हुए थकते नहीं हैं। लाभार्थियों के फीडबैक से साफ होता है कि आयुष्मान कार्ड यथा समय बना लेना चाहिए, क्योंकि जीवन पथ एक अनजान डगर है, यहां कभी भी कुछ भी संभव है। ऐसे में आयुष्मान का सुरक्षा कवज लेना बहुत जरूरी हो जाता है।

बेरीनाग और गंगोलीहाट के 48 शहीदों के परिजनों को मिला सम्मान

संवाददाता

बेरीनाग। शहीद सम्मान यात्रा के तहत बेरीनाग विकास खंड सभागार में बेरीनाग के २९ और गंगोलीहाट के १९ शहीदों के परिजनों के लिए सम्मान कार्यक्रम का आयोजन किया गया।गंगोलीहाट और बेरीनाग के ४८ शहीदों के आंगन से मिट्टी लाने के बाद जिला सैनिक कल्याण बोर्ड के द्वारा शहीदों के परिजनों का सम्मान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें शहीदों के परिजनों को शांल उड़ाकर ताम्र सम्मान पत्र से सम्मानित किया गया। इस मौके पर कई शहीद के परिजन फफकर भावुक हो गये। इस मौके पर ब्लाक प्रमुख विनीता बाफिला ने कहा की उत्तराखंड में सैनिक धाम का निर्माण किया जा रहा है जिसमें हर शहीद के आंगन की मिट्टी को लगाया जायेगा ।शहीदों के बलिदान को हमेशा याद

रखा जायेगा ।

भारतीय रेलवे बोर्ड की मेम्बर गीता ठाकुर ने कहा सरकार के द्वारा शहीदों के परिजनों का सम्मान करने साथ शहीदों को भी नमन किया जा रहा है आज हमारा देश वीर शहीदों के कारण सुरक्षित है। शहीदों से प्रेरणा लेकर देश की सेवा में आगे आना चाहिए। पूर्व दर्जा राज्य मंत्री फकीर राम टम्टा ने कहा चारों धामों की तरह सैनिक धाम भी बनाया जा रहा है जहां हमेशा शहीदों याद किया जायेगा।

इस मौके पर जिला सैनिक कल्याण बोर्ड अधिकारी वीरेंद्र भट्ट, वीर चक्र विजेता गंगा सिंह राठौर,भाजपा मंडल अध्यक्ष धीरज बिष्ट. जिला पंचायत सदस्य नंदन बाफिला, विधायक प्रतिनिधि त्रिलोक खाती,तहसीलदार दिनेश कुटौला,बीडीओ बेरीनाग आरसी नौटियाल, बीडीओ गंगोलीहाट मानस मितल, चारू पंत,इंद्र धानिक,एबीडीओ जीएल टम्टा, महेंद्र सिंह, डीपीओ कुलदीप बोहरा, मनोज बनकोटी, हरीश मेहता, धीरज ओझा, सुनील रावत अभिनेष बनकोटी, सहित आदि मौजूद थे।

एक्सपायर हो चुके क्रेडिट कार्ड का इन बेहतरीन तरीकों से करें इस्तेमाल

जब क्रेडिट कार्ड एक्सपायर हो जाता है, तब यह किसी का काम का नहीं रहता और नए क्रेडिट कार्ड अप्लाई करने के बाद कई लोग उसे यूं ही इधर-उधर रख देते हैं। ऐसे में अगर आप चाहें तो इस एक्पायर्ड क्रेडिट कार्ड को कई बेहतरीन तरीकों से इस्तेमाल कर सकते हैं। चलिए आज हम आपको एक्सपायर क्रेडिट कार्ड को दोबारा इस्तेमाल करने के कुछ बेहतरीन आईडियाज के बारे में बताते हैं, जो यकीनन आपको भी काफी पसंद आएंगे।

अगर आपके पास एक्सपायर क्रेडिट कार्ड है तो आप इसका इस्तेमाल बुक मार्क की तरह कर सकते हैं। अगर आप किताबें पढ़ने के शौकीन हैं तो आप एक बार में पूरी किताब न पढ़ पाने पर पन्ने को मोड़ देते होंगे या फिर उसे मार्कर आदि से हाइलाइट कर देते होंगे, लेकिन अब आपको ऐसा करने की जरूरत नहीं है। आप जहां पर भी अपनी रीडिंग खत्म करें, वहां पर क्रेडिट कार्ड को रख दें।

आप चाहें तो क्रेडिट कार्ड का इस्तेमाल एक स्क्रैपर के तौर पर भी कर सकते हैं। उदाहरण के लिए, अगर फर्श पर पेंट जैसा कुछ चिपक गया है या फिर आपको फ्रिज से बर्फ को खुरचना है या फिर प्लेट पर खाना चिपक गया है तो ऐसे में क्रेडिट कार्ड आपके बेहद काम आ सकता है। बस आपको इतना करना है कि आप उस जगह पर इसे अच्छी तरह उस स्थान पर स्क्रैप करें।

ईयरफोन से लेकर चार्जर का इस्तेमाल करना आसान होता है, लेकिन जब इन्हें स्टोर करने की बात आती है तो इनकी तारें आपस में उलझ जाती हैं और कभी-कभी तो इससे वह अंदर से कमजोर हो जाती हैं और जल्द ही खराब हो जाती हैं। ऐसे में आप तारों को व्यवस्थित करके रखने के लिए क्रेडिट कार्ड का इस्तेमाल कर सकते हैं। बस हर बार इन तारों का इस्तेमाल करने के बाद आप उसे क्रेडिट कार्ड पर लपेटें।

अगर आपको कोई भी आर्ट एंड क्राफ्ट का कुछ काम कर रहे हैं और आपको उस दौरान एक सीधी रेखा खींचनी है, लेकिन आपके पास रूलर नहीं है तो ऐसे में आप क्रेडिट कार्ड का इस्तेमाल कर सकते हैं। चूंकि इसके कार्नर एकदम सीधे होते हैं तो ऐसे में उसे बतौर रूलर इस्तेमाल करना एक अच्छा आईडिया है। यकीनन इससे एकदम सीधी रेखा खींचने में काफी मदद मिलेगी।

सांस तो लेने दें, हवा साफ रखने के ठोस उपाय हों

राष्ट्रीय राजधानी की हवा में प्रदूषण के खतरनाक स्तर को देखते हुए दिल्ली सरकार ने जिन चार तात्कालिक कदमों की घोषणा की, वे अत्यंत जरूरी हो गए थे। स्कूल-कॉलेजों को हफ्तेभर के लिए बंद करने, सरकारी और गैर-सरकारी ऑफिसों में वर्क फ्रॉम होम लागू किए जाने और हवा में धूल की मात्रा बढ़ाने वाले निर्माण कार्यों पर अस्थायी रोक लगाने से कुछ राहत तो जरूर मिलेगी। जहां तक लॉकडाउन की बात है तो सरकार ने इस पर भी कुछ प्रस्ताव तैयार किए हैं, जो सुप्रीम कोर्ट के सामने रखे जाने हैं। अफसोस की बात यह है कि राहत के ये उपाय तब किए गए, जब सुप्रीम कोर्ट ने इसकी जरूरत बताई। अच्छा होता कि सरकार सुप्रीम कोर्ट के निर्देश से पहले ही सही समय पर इस तरह के कदम उठा लेती। आखिर मौसम विभाग की तरफ से जुटाई गई सूचनाएं तो पहले से उपलब्ध थीं। पराली का धुआं आने की बात भी पहले से मालूम थी। समय से कदम उठाए जाते तो संभवत: हवा की क्वॉलिटी इतनी खराब न होती। मगर ध्यान में रखने की बात है कि न तो यह सवाल इन चार-पांच दिनों का है और न ही मामला दिल्ली और आसपास के इलाकों तक सीमित है।

पिछले कई वर्षों से इस मौसम में दिल्ली की हवा इतनी खराब हो जाती है कि दम घुटता-सा लगने लगता है। उस दबाव में ऑड-ईवन जैसे कदम उठाए जाते हैं, जिनसे तात्कालिक तौर पर कुछ राहत भी मिलती है, लेकिन जैसे ही यह वक्त बीतता है, दूरगामी उपाय मानो अजेंडे से गायब ही हो जाते हैं। महत्वपूर्ण यह भी है कि देश के अन्य हिस्सों में इस दौर में भी हवा का प्रदूषण मुद्दा बनता नहीं दिखता। स्विट्जरलैंड स्थित क्लाइमेट ग्रुप आईक्यूएयर की ओर से करवाई गई ताजा स्टडी पर नजर डालें तो खराब एयर क्वॉलिटी वाले दुनिया के दस शहरों की सूची में दिल्ली के साथ ही कोलकाता और मुंबई भी शामिल हैं। जाहिर है तात्कालिक संदर्भों में ये महानगर भले दिल्ली से बहुत बेहतर लगें, लेकिन दुनिया के स्तर पर देखा जाए तो हवा की क्वॉलिटी को दुरुस्त करने की जरूरत तो यहां भी है ही। हालांकि ज्यादा बुरा हाल निश्चित रूप से उत्तर भारत के छोटे-छोटे शहरों में है। सेंट्रल पलूशन कंट्रोल बोर्ड के ताजा आंकड़ों के मुताबिक, पिछले हफ्ते देश के 15 सबसे ज्यादा प्रदूषित हवा वाले शहरों में दस यूपी के पाए गए। इनमें फिरोजाबाद और आगरा भी थे, जहां एक्यूआई क्रमश: 489 और 472 पाया गया। यानी हालात कमोबेश दिल्ली-एनसीआर जैसे ही बुरे हैं।

वैधानिक सूचना

सुविज्ञ पाठकों से आग्रह है कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन में दिए गए तथ्यों, शर्तों और दावों के प्रति वह खुद भी आश्वस्त हो लें। पाठकों से आग्रह है कि वह प्रकाशित विज्ञापन से प्रभावित होकर कोई कदम उठाने से पहले अपने स्तर पर भी स्वयं के संतुष्ट होने तक संपूर्ण व्यावहारिक जानकारी कर लें। भविष्य में किसी भी प्रकाशित विज्ञापन में निहित दावों या शर्तों को लेकर पाठकगण को कोई असुविधा या परेशानी होती है तो *सांध्य दैनिक दून वैली मेल* के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की कोई जवाबदेही नहीं होगी।

–प्रबंधक विज्ञापन

करते हैं ब्लूटूथ का इस्तेमाल, तब इन बातों का रखें खास ध्यान

ब्लूटूथ उन अहम और मुख्य कनेक्टिविटी विकल्पों में से एक बन गया है जो स्मार्टफोन और कंप्यूटर को कनेक्ट कर सकता है।ब्लूटूथ एक अहम कनेक्टिविटी विकल्प है और यह जानने के बाद, ऑनलाइन हैकर्स धीरे-धीरे ब्लूटूथ कनेक्शन और टारगेट सिस्टम्स को बाधित करने के नए तरीके ढूंढ रहे हैं। हालांकि, इस तरह के अटैक्स का दायरा काफी सीमित है। ऐसा इसलिए क्योंकि ब्लूटूथ पेयरिंग डिफ़ॉल्ट रूप से एन्क्रिप्टेड होती है। लेकिन क्या हो अगर आपके फोन का ब्लूटूथ आपने ऑन तो कर रखा है लेकिन उसका इस्तेमाल न कर रहे हों। वैसे तो हमेशा यह सलाह दी जाती है कि जब आपके फोन का ब्लूटूथ उपयोग में न हो तो उसे बंद करके रखें। इसे लेकर एक अध्ययन किया गया है, जिसमें ब्लूटूथ को बिना इस्तेमाल ऑन न रखने के अभ्यास का महत्व बताया गया है। इस अध्ययन में एक नए तरीके का उल्लेख किया गया है जिसमें आपके फोन की लोकेशन को ट्रैक करने के लिए ब्लूटूथ ट्रांसमिशन का उपयोग किया जा सकता है। हैरान हो गए न ये जानकार, लेकिन यह सच है।

यह सोचने वाली बात है कि ब्लूटूथ को किसी डिवाइस की लोकेशन से कैसे जोड़ा जा सकता है? तब चलिए जानते हैं वैज्ञानिक बताते हैं कि वास्तव में ऐसा करने का एक तरीका है और हैकर्स द्वारा इस तरीके का इस्तेमाल किया जाता है तो यह तरीका बहुत खतरनाक हो सकता है। ओरिजनल डिवाइस को ट्रैक करने के लिए ब्लूटूथ का उपयोग कैसे किया जाता है इसके लिए वैज्ञानिकों ने ब्लूटूथ तकनीक के एक विशिष्ट पहलू पर ध्यान केंद्रित किया। यह ब्लूटूथ लो एनर्जी या बीएलई कहा जाता है। बीएलई, ब्लूटूथ का लो एनर्जी फॉर्मेट है जो तुलनात्मकरूप से कम पावर खपत करता है। हालांकि, यह बैंडविड्थ और रेंज से कॉम्प्रोमाइज करके ऐसा करता है।

बिजली की कम खपत के चलते, कई बार 99 प्रतिशत तक बीएलई, डिवाइस के ब्लूटूथ के ऑन रहने तक लगातार सिग्नल संचारित कर सकता है।इसकारण जब वैज्ञानिकों को पता चला कि सिग्नल का एक कॉन्सटैंट सोर्स है जिस पर वे टैप कर सकते हैं, तो केवल एक चीज बचती है और वो है व्यक्तिगत रूप से इन संकेतो के पहचानना। रिसर्चर्स ने तब अलग-अलग डिवाइसेज की पहचान करने पर फोकस किया। हर फोन के सिग्नल में खामियां लगभग बेहद यूनिक पाई गईं। इन भिन्नताओं को अलग करते हुए, शोधकर्ता हर फोन को बेहद ही सटीकता के साथ पहचानने में सक्षम रहे। रिसर्च के अनुसार, यह पहली बार एंड्रॉइड पुलिस द्वारा देखा गया है। तकनीक के परिणामस्वरूप फॉल्स पॉजिटिव रेट और फॉल्स नेगेटिव रेट 5 फीसद से नीच रहे।

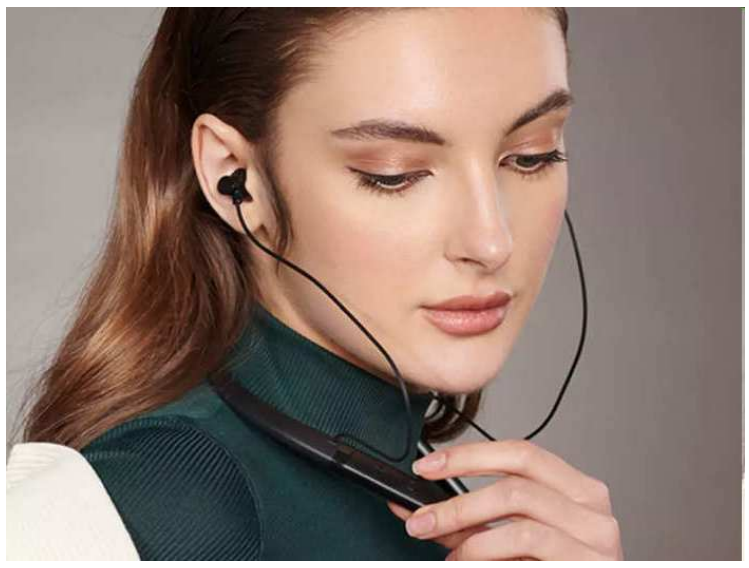

इस रिसर्च का मतलब या सार यह है कि अगर ब्लूटूथ को ऑन रखते हैं,तब आपके फोन के ब्लूटूथ का उपयोग आपको ट्रैक करने के लिए किया जा सकता है। हालांकि, इस प्रकार के लोकेशन ट्रैकिंग की बहुत अधिक सीमाएं हैं। सबसे पहले, इस सिस्टम को आपके पास और एक स्टेबल वातावरण में काम करना होगा। क्योंकि कई कारकों के परिणामस्वरूप रिकॉर्डिंग में गड़बड़ी होने की संभावना बनी रहती है या गड़बड़ी हो सकती है। इसके अलावा, इन बीएलई सिग्नल्स में खामियां हमेशा यनिक नहीं होता हैं। इसका मतलब यह है कि कुछ डिवाइस हैं जो एक जैसे सिग्नल उत्पन्न कर सकते हैं और इसलिए व्यक्तिगत रूप से पहचाना नहीं जा सकता है। भले ही, इस रिसर्च ने हैकर्स के प्लान को खोल दिया है कि वहां इस तरह से यूजर्स की लोकेश का पता लगाते हैं।

शब्द सामर्थ्य -89

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. घुमाव-फिराव वाला, आड़ा-तिरछा, जो कठिन हो 3. कुशलता, दक्षता, विशेषज्ञता 6. लोग, प्रजा 7. सीता, जनकनंदनी 9. सुंदर, कामना करने योग्य 10. क्रोधपूर्वक बोलने को उद्यत होना, जोश में आना, क्रोधातिरेक में चेहरे का लाल होना 13. अधीनता, मातहती, वश 14. दबाव, भार, वजन 16. हद, मर्यादा 18. प्रमाण-पत्र, प्रमाणिक कथन या बात 19. पछताना (मुहा.) 21. अनुचित मिश्रण, मिलावट 22. विफल, बेहोश, बौखलाया हुआ।

ऊपर से नीचे

1. सहारा, आश्रय, प्रतिज्ञा, संकल्प 2. परिश्रम 4. रात, रात्रि, निशा 5. पुत्र, बेटा 8. मूल्य, दाम 9. कपड़े का मोटा परदा 11. संदेश भेजना, उच्चारण कराना, कहलवाना 12. मृतकों को जीवित और रोगियों को स्वस्थ कर देने वाला व्यक्ति, प्रेमपात्र की संज्ञा 14. देने की क्रिया, खैरात 5. कुमार्गी, दुराचारी 17. मस्तक, माथा, ललाट 18. प्रश्न, समस्या 20. सहायता, सहारा 21. पशुओं को खिलाने वाली हरी पत्तियां, तृण, तिनका।

1		2		■	3		4	5
	■		■	■	■	■	6	
■	7		8	■	9			
■	■	10		11		■	■	■
12	■	■	13			■	14	15
16	17	■	■		■	18		
19		20			■		■	
■	■		■	■	21			
■	22					■	■	

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 88 का हल

ज	द्दो	जे	ह	द	■	स	पू	त
ल	■	ब	ल	वा	न	■	■	द
म	ह	क	■	खा	म	खां	■	बी
ग्न	■	त	ल	ना	■	स	फ	र
■	म	रा	■	■	■	ना	टा	■
■	हि	■	स	■	■	■	फ	न
■	ला	ज	वा	ब	■	म	ट	र
मां	■	ग	■	सं	त	ति	■	भ
■	मा	त	ह	त	■	■	प	क्षी

2022 में अपने पहले हॉलीवुड प्रोजेक्ट की घोषणा करेंगी आलिया भट्ट?

बॉलीवुड अभिनेत्री आलिया भट्ट ने काफी कम समय में अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया है। उन्होंने कई यादगार फिल्मों में अभिनय किया है। इस साल भी वह कई बड़ी फिल्मों का हिस्सा हैं। हाल में खबर सामने आई थी कि आलिया हॉलीवुड में कदम रखने वाली हैं। अब जानकारी सामने आ रही है कि आलिया 2022 में अपने पहले हॉलीवुड प्रोजेक्ट की घोषणा कर सकती हैं।

रिपोर्ट के मुताबिक, आलिया 2022 में अपने पहले हॉलीवुड प्रोजेक्ट का ऐलान करेंगी। हाल में खबरें आई थीं कि आलिया ने टॉप इंटरनेशनल टैलेंट मैनेजमेंट एजेंसियों में से एक डब्ल्यूएमई के साथ एक कॉन्ट्रैक्ट साइन किया है। विलियम मोरिस एंडेवयर एंटरटेमेंट (डब्ल्यूएमई) एक अमेरिकन एजेंसी है, जो कैलिफोर्निया में स्थित है। हॉलीवुड के कई बड़े सितारे इस टैलेंट एजेंसी के साथ जुड़े हुए हैं, जैसे हॉलीवुड स्टार जेसिका अल्बा, बेन एफ्लेक, मैट डेमन, क्रिश्चियन बेल, व्हूपी गोल्डबर्ग।

एक सूत्र ने बताया कि आलिया 2022 की शुरुआत में एक हॉलीवुड स्टूडियो के साथ अपने प्रोजेक्ट का ऐलान करेंगी। वह इस डील को अंतिम रूप देने के लिए बातचीत में जुटी हैं। हालांकि, इस प्रोजेक्ट के बारे में खास जानकारी सामने नहीं आई है। ऐसी चर्चा है कि आलिया कई स्क्रिप्ट्स को लेकर उत्साहित हैं। कहा जा रहा है कि इनमें से एक स्क्रिप्ट ने आलिया का ध्यान खींचा है।

आलिया ने इन खबरों पर अभी कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है, लेकिन उनके हॉलीवुड में जाने की खबर से उनके प्रशंसक बेशक उत्साहित हो गए हैं। वैसे खुद आलिया कई बार यह कुबूल चुकी हैं कि उन्हें अगर अवसर मिला तो वह हॉलीवुड की ओर रुख जरूर करेंगी। उन्होंने एक इंटरव्यू में कहा था, मुझे उम्मीद है कि मैं कभी हॉलीवुड जाऊंगी और जरूर जाऊंगी। यह आसान तो खैर बिल्कुल नहीं होगा, लेकिन मुझे यह करना है।

राशी खन्ना ने सुंदर सी की तमिल कॉमेडी के लिए किया करार

प्रसिद्ध तेलुगु अभिनेत्री राशी खन्ना, जिन्होंने सुप्रीम, ऊहालु गुसागुसा लादे और वेंकी मामा जैसी फिल्मों में अपनी भूमिकाओं से बहुत ध्यान आकर्षित किया है, वह अब कई अन्य भूमिकाओं में भी दिखाई देने वाली हैं।

जैसा कि अभिनेत्री बैक-टु-बैक तेलुगु फिल्मों में व्यस्त हैं, वह एक आगामी तमिल फिल्म में भी दिखाई देने के लिए तैयार हैं। यह बताया गया है कि राशी ने अरनमनई 3 के निर्देशक सुंदर सी के साथ एक और प्रोजेक्ट के लिए हाथ मिलाया है। एक कमर्शियल, कॉमेडी एंटरटेनर मानी जाने वाली यह फिल्म जल्द ही फ्लोर पर आने वाली है। लोकप्रिय नायक जीवा को फिल्म में मुख्य भूमिका निभानी है। टीम ने एक कार्यक्रम की योजना बनाई है, जिसे मकर संक्रांति के तुरंत बाद शुरू किया जाएगा। राशी खन्ना की हाल के दिनों में दो तमिल तुगलक दरबार और अरनमनई 3 फिल्में रिलीज हुई हैं, जिसने शालीनता से अच्छा प्रदर्शन किया। अब जबकि राशि एक और तमिल फिल्म के लिए तैयार हैं, उन्हें इस परियोजना से बहुत उम्मीदें हैं।

राशि इन दिनों दो तेलुगु प्रोजेक्ट्स की शूटिंग में बिजी हैं। पक्का कमर्शियल और थैंक यू वर्तमान प्रोजेक्ट हैं जिनमें राशी हिस्सा बनी हुई हैं। राशि एक हिंदी वेब सीरीज में शाहिद कपूर और अजय देवगन के साथ भी नजर आने वाली हैं।

अगले साल वैलेंटाइन वीक पर भी रिलीज नहीं होगी फिल्म लाल सिंह चड्ढा

आमिर खान पिछले काफी समय से फिल्म लाल सिंह चड्ढा को लेकर सुर्खियों में हैं। उन्हें पिछली बार 2018 में फिल्म ठग्स ऑफ हिन्दुस्तान में देखा गया था। हालांकि, आमिर की यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर मुंह के बल गिरी थी। अब तीन साल बाद वह लाल सिंह चड्ढा से बड़े पर्दे पर अपनी वापसी कर रहे हैं, लेकिन अब खबर है कि उनकी यह फिल्म अगले साल वैलेंटाइन वीक पर भी नहीं रिलीज होगी। लाल सिंह चड्ढा का इंतजार दर्शकों को बेसब्री से है, लेकिन कोरोना महामारी के चलते फिल्म की रिलीज में देरी हुई है। पिछले दिनों खबर थी कि यह फिल्म अगले साल वैलेंटाइन वीक पर आएगी, लेकिन अब यह तय समय पर रिलीज नहीं होगी।

रिपोर्ट के मुताबिक, लाल सिंह चड्ढा की रिलीज फिर टल गई है। अब यह अगले साल के मध्य तक रिलीज की जाएगी। अब वैलेंटाइन वीक पर कोई दूसरी बड़े बैनर की फिल्म रिलीज होगी। रिपोर्ट में कहा गया है कि लाल सिंह चड्ढा के पोस्ट प्रोडक्शन में अभी काफी वक्त लगेगा। लिहाजा फरवरी तक किसी भी सूरत में फिल्म को रिलीज करना मुश्किल है। फिल्म के पोस्ट प्रोडक्शन में कम से कम छह महीने का समय लगेगा। आमिर फिल्म के कंटेंट और क्वालिटी के साथ कोई समझौता नहीं करना चाहते। नतीजतन इसे दो-तीन महीने आगे बढ़ाने का फैसला किया गया है। फिल्म की नई रिलीज डेट अभी तय नहीं हुई है। यह तीसरी बार है, जब लाल सिंह चड्ढा में देरी हुई है। यह फिल्म मूल रूप से क्रिसमस, 2020 पर सिनेमाघरों में दस्तक देने वाली थी, लेकिन कोरोना महामारी के कारण प्रोडक्शन रुकने के चलते इसे एक साल के लिए टाल दिया गया था। इस साल आई कोरोना वायरस की दूसरी लहर के चलते फिल्म को अगले साल 11 फरवरी को पर्दे पर लाने की योजना बनाई गई और अब इसकी रिलीज डेट और आगे खिसक गई है।

विद्या बालन ने की रोमांटिक कॉमेडी फिल्म की घोषणा

विद्या बालन पिछले काफी समय से एक फिल्म को लेकर सुर्खियों में थीं, जिसमें उनके साथ इलियाना डिक्रूज भी नजर आने वाली हैं। हालांकि, फिल्म को लेकर कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई थी। अब खुद विद्या ने सोशल मीडिया पर अपनी इस फिल्म की घोषणा कर दी है। वह इसे लेकर बेहद उत्साहित नजर आ रही हैं। दूसरी तरफ इलियाना ने भी इसे लेकर खुशी जाहिर की है।

विद्या ने सोशल मीडिया पर फिल्म की घोषणा करते हुए लिखा, इस फिल्म को लेकर बेहद उत्साहित हूं। फिल्म में आधुनिक रिश्तों पर कहानी कही जाएगी। यह आपकी या आपके दोस्त की कहानी हो सकती है। उन्होंने लिखा, यह आपको हंसाएगी भी और रुलाएगी भी। मुझे काव्या का किरदार निभाकर मजा आ रहा है। विद्या ने जो तस्वीर साझा की है, उसमें वह इलियाना डिक्रूज, प्रतीक गांधी और भारतीय अमेरिकी कलाकार सेंधिल राममूर्ति के साथ नजर आ रही हैं।

इलियाना ने इंस्टाग्राम पर लिखा, इसकी घोषणा करने का लंबे समय से इंतजार था। इस फिल्म को लेकर बहुत उत्साहित हूं, जिसमें विद्या बालन, प्रतीक गांधी और सेंधिल राममूर्ति जैसे कलाकारों के साथ काम करने का मौका मिल रहा है। इस बात की खुशी भी है कि शीर्षा गुहा ठाकुरता के निर्देशन में काम कर रही हूं। उन्होंने लिखा, फिल्म के निर्माताओं एप्लॉज एंटरटेनमेंट और एलिप्सिस एंटरटेनमेंट की तारीफ भी करना चाहूंगी, जिन्होंने इस तरह की शानदार कास्टिंग की है।

फिल्म की निर्देशक शीर्षा ने कहा, इन कलाकारों के साथ काम करना एक सपना रहा है। मैं नर्वस हूं, लेकिन इस सफर को लेकर काफी उत्साहित हूं। जब मैंने पहली बार यह कहानी सुनी, मैं तुरंत इसके प्रति आकर्षित हो गई। उन्होंने कहा, यह एक बेहद खास सफर रहा है और इस खूबसूरत सफर में निर्माताओं ने मेरा पूरा साथ दिया। फिल्म की रिलीज का इंतजार है। फिल्म की शूटिंग वर्तमान में मुंबई और ऊटी में की जा रही है।

विद्या फिल्म जलसा को लेकर भी चर्चा में हैं। इसमें उनके साथ शेफाली शाह नजर आएंगी। फिल्म में नुसरत भरूचा भी दिख सकती हैं। इस फिल्म के निर्देशन की कमान भी सुरेश त्रिवेणी संभाल रहे हैं, जिन्होंने तुम्हारी सुलु का निर्देशन किया था। दूसरी तरफ फिल्म के प्रोड्यूसर हैं विक्रम मल्होत्रा, जो विद्या अभिनीत शेरनी के प्रोडक्शन का जिम्मा उठा चुके हैं।

रोहित शेट्टी से अपनी एक ख्वाहिश पूरी करवाना चाहती हैं कैटरीना

रोहित शेट्टी द्वारा निर्देशित सूर्यवंशी रिलीज हो गई है. फिल्म को काफी जबरदस्त रिस्पॉन्स मिल रहा है. हाल ही में अक्षय कुमार, रोहित शेट्टी और कैटरीना कैफ, कपिल शर्मा के शो द कपिल शर्मा शो में पहुंचे. इस दौरान सभी ने काफी मस्ती की. इस दौरान कैटरीना ने रोहित से ये तक कह दिया कि उन्हें एक फीमेल लीड कॉप फिल्म बनानी चाहिए. इतना ही नहीं कैटरीना ने ये भी कहा कि रोहित को उन्हें ही ऐसी फिल्म में बतौर लीड रोल काम करना है.

दरअसल, कैटरीना कहती हैं कि रोहित की कॉप सीरीज में अब एक स्ट्रॉन्ग फीमस एक्ट्रेस की जरूरत है और वह उस रोल को करना चाहेंगी. कैटरीना फिर कहती हैं कि रोहित ने हालांकि उनके ऑफर को रिजेक्ट कर दिया है क्योंकि मैं पहले ही सूर्यवंशी में काम कर रही हूं तो मैं फीमेल कॉप ड्रामा में बतौर लीड काम नहीं कर सकती.

फिल्म में कैटरीना के काम की काफी तारीफ हो रही है. ना सिर्फ उनकी एक्टिंग बल्कि टिप टिप बरसा गाने के नए वर्जन में भी कैटरीना काफी हॉट लग रही हैं. भले ही ये गाना रवीना टंडन और अक्षय कुमार का हिट सॉन्ग में से एक था, लेकिन इस नए वर्जन को भी जबरदस्त रिस्पॉन्स मिल रहा है.

इस फिल्म के बाद भी कैटरीना की 2 फिल्में रिलीज होने के लिए तैयार हैं. वह फोन भूत और टाइगर 3 में नजर आने वाली हैं. फोन भूत में कैटरीना के साथ सिद्धांथ चतुर्वेदी और ईशान खट्टर लीड रोल में हैं. वहीं टाइगर 3 में सलमान खान और कैटरीना कैफ लीड रोल में हैं. दोनों कुछ दिनों पहले तुर्की से शूट करके वापस लौटे हैं. फैंस कैटरीना और सलमान को एक बार फिर बड़े पर्दे पर देखने के लिए एक्साइटेड हैं.

कंगना ने शुरू की फिल्म टीकू वेड्स शेरू की शूटिंग

कंगना रनौत जल्द ही कई बड़ी फिल्मों में नजर आएंगी। अपने होम प्रोडक्शन में बनने वाली पहली फिल्म टीकू वेड्स शेरू को लेकर भी कंगना सुर्खियों में हैं। आए दिन उनकी इस फिल्म से जुड़ी नई जानकारी सामने आ रही है। अब कंगना ने अपनी इस फिल्म की शूटिंग शुरू कर दी है। यह जानकारी खुद उन्होंने अपने प्रशंसकों को दी है। कंगना ने फिल्म की तैयारी की एक झलक अपने फैंस को दिखाई है।

कंगना रनौत फिल्म तेजस की शूटिंग खत्म कर अब टीकू वेड्स शेरू की शूटिंग की तैयारियों में जुट गई हैं। उन्होंने एक के बाद एक कई तस्वीरें अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर शेयर कीं, जिनमें वह टीकू वेड्स शेरू के फर्स्ट लुक की शूटिंग देखते हुए सेट पर नजर आ रही हैं। एक तस्वीर के साथ कंगना ने लिखा, टीकू वेड्स शेरू के फर्स्ट लुक की शूटिंग अपने पसंदीदा जतिन कंपानी के साथ कर रही हूं।

कंगना ने अपने पोर्टफोलियो से एक पुरानी तस्वीर भी साझा की। इसके साथ उन्होंने लिखा, मेरा पहला पोर्टफोलियो, जिसे जतिन कंपानी ने क्लिक किया था। मुझे अपना पहला ब्रेक गैंगस्टर से मिला, क्योंकि अनुराग बासु को यह फोटो पसंद आई थी। आज मैं बतौर निर्माता फिर से जतिन के साथ अपनी यात्रा शुरु कर रही हूं। कितना प्यारा संयोग है? एक और तस्वीर के साथ कंगना ने लिखा, जिंदगी में पहली बार सिर्फ कैमरे के पीछे काम कर रही हूं।

इस फिल्म के निर्देशक साई कबीर हैं। इससे पहले साई और कंगना फिल्म रिवॉल्वर रानी में साथ काम कर चुके हैं। फिल्म में कंगना ने अपने पसंदीदा कलाकार नवाजुद्दीन सिद्दीकी को साइन किया है। बीती जुलाई को कंगना ने नवाजुद्दीन सिद्दीकी के साथ अपनी इस फिल्म का ऐलान किया था। उन्होंने कहा था, हमारी पीढ़ी के सर्वश्रेष्ठ अभिनेता नवाजुद्दीन फिल्म टीकू वेड्स शेरू की टीम में शामिल हो गए हैं। हम अपने शेर को पाकर गौरवान्वित महसूस कर रहे हैं।

कंगना फिल्म तेजस का हिस्सा हैं। वह कश्मीर की एक रानी पर फिल्म मणिकर्णिका रिटर्न्स-द लीजेंड ऑफ दिद्दा भी लेकर आ रही हैं। भारत की पहली महिला प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी पर आधारित कंगना की फिल्म इमर्जेंसी भी खूब चर्चा में है। एक्शन से लबरेज फिल्म धाकड़ भी कंगना के खाते से जुड़ी हैं। रजनीश घई ने उनकी इस फिल्म के निर्देशन की कमान संभाली है। अलौकिक देसाई की फिल्म द इनकारनेशन सीता में भी कंगना अपनी मौजूदगी दर्ज कराएंगी।

सड़क पर रहने वाले बच्चों के राष्ट्र निर्माता बनने की राह

प्रियंक कानूनगो

अनेकों योजनाओं और कानूनी प्रावधानों के बावजूद स्ट्रीट चिल्ड्रेन की समस्या इसलिए बनी रही क्योंकि अब तक हम इसे सामाजिक समस्या के तौर पर देखते रहे हैं और हमने कानूनी पहलू से स्ट्रीट चिल्ड्रेन की समस्या को देखा ही नहीं।

जिस गति से देश में शहरीकरण हो रहा है उससे निश्चित ही देश की विकास यात्रा स्पष्ट तौर पर दिखाई देती है किंतु इन्हीं विकसित हो रहे शहरों की सड़कों पर देश के भविष्य की राह को पुष्ट करने वाला बचपन धूमिल होता दिखना भी हमारे समाज की सच्चाई है, जिससे किसी भी सूरत में इंकार नहीं किया जा सकता। ऐसे क्या कारण हो सकते हैं जब देश में बच्चों के लिए अनेकों योजनाएं हैं साथ ही संविधान और विभिन्न कानून भी उन्हें विकास के समान अवसर देते हैं, फिर भी वह सड़कों पर जीवन व्यतीत करने को मजबूर है। विकास और सामाजिक पिछड़ेपन का यह एक ऐसा द्वंद है जिसका समाधान खोजे बिना हम देश के विकास को नई दिशा नहीं दे सकते। बच्चों का सड़क पर इस तरह से जीवन व्यतीत करना बड़े स्तर पर उनके संवैधानिक अधिकारों का उलंघन है जिसका समग्र दुष्प्रभाव उनके मानसिक, शारीरिक और शैक्षणिक विकास पर पड़ता है और अंत में उसका भुगतान देश को करना पड़ता है।

इसी समस्या के समाधान की दिशा में राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग के द्वारा किया गया एक समग्र प्रयास है।

जब हम अभावग्रस्त जीवन व्यतीत करने वाले बच्चों की बात करते हैं तो हमारे समक्ष प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी एक ऐसा उदाहरण मौजूद हैं जिन्होंने अभावग्रस्त जीवन जिया है और वह उस भाव को समझते हैं कि किस तरह अभावग्रस्त बचपन में संघर्ष कर मुख्यधारा में शामिल होकर देश के विकास में अपना सहयोग दिया जा सकता है। आयोग ने उनके जीवन और शब्दों से प्रेरणा लेकर यह तय किया कि यदि शुद्ध अंतकरण से हम कार्य करेंगे तो केवल असंभव शब्द ही असंभव रह जाता है बाकी सब संभव हो जाता है। कुछ भी असंभव नहीं है और यही वह समय है जब हम यह तय कर सकें कि जो बच्चे सड़क पर हैं उन्हे घर मिलना चाहिए और यह उनका अधिकार है।

इस ओर आगे बढ़ने के लिए यह उचित समय था जब हमारे पास 2 लाख से ज्यादा ऐसे बच्चों की जानकारी उपलब्ध थी जो सड़कों पर जीवन व्यतीत करने को बाध्य हैं। इन बच्चों को कैसे समाज की मुख्यधारा से जोड़ सकें इसके लिए 1 वर्ष से हम लोगों ने आयोग के बाहर और अंदर सतत रूप से कार्य किया है। इस दौरान बच्चों से उनकी स्थिति में मिलकर उनसे बात की और उनकी समस्याओं को दर्ज किया जिससे कि उनके समाधान की राह बनाई जा सके। इसके साथ ही इस एसओपी को बनाने में राज्य बाल आयोगों ने अपने महत्वपूर्ण विचार दिए हैं। अनेकों योजनाओं और कानूनी प्रावधानों के बावजूद स्ट्रीट चिल्ड्रेन की समस्या इसलिए बनी रही क्योंकि अब तक हम इसे सामाजिक समस्या के तौर पर देखते रहे हैं और हमने कानूनी पहलू से स्ट्रीट चिल्ड्रेन की समस्या को देखा ही नहीं। इससे लगातार इन बच्चों के अधिकार तय करने वाले कानूनों का उलंघन होता रहा और यह विकास की धारा में शामिल नहीं हो सके। इन्हीं सब सवालों और समस्याओं के समाधान का मार्ग तलाशने के लिए जब आयोग ने प्रयास शुरू किए तो कई ऐसे तथ्य सामने आए जिससे हमें यह विश्वास हुआ कि देश में ऐसे बच्चों को भी सही भविष्य देने के लिए तंत्र मौजूद है जो किन्हीं अप्रत्याशित कारणों से सड़क पर जीवन व्यतीत करने को मजबूर हैं। उदाहरण के तौर पर वर्तमान सरकार द्वारा किशोर न्याय अधिनियम, 2015, आईसीडीएस-आईसीपीएस योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना, माइक्रो फाइनेंस समेत अनेकों ऐसी योजनाएं लागू की गई हैं जिनके भीतर ही इस समस्या का समाधान विद्यमान है।

स्ट्रीट सिचुएशन में बच्चों के लिए मानक संचालन प्रक्रिया एक ऐसा दस्तावेज है जिसे ऐसा समग्र रूप देने का प्रयास किया गया है जिससे बाल संरक्षण के क्षेत्र में कार्य कर रहे सभी विभागों तथा अधिकारियों तथा वर्तमान सरकार द्वारा लागू की गई सभी संबंधित योजनाओं के बीच समन्वय स्थापित हो सके और इसमें दर्शाए गए तरीकों से आसानी से बच्चों को सड़क से विस्थापित कर उनकों अनुकूल वातारण में पुन:स्थापित किया जा सके। आयोग का संकल्प है आखिरी बच्चे को मुख्यपंक्ति में लाना। इस संकल्पशक्ति के साथ आयोग देशभर में लगातार कार्य कर रहा है।

एक महत्वपूर्ण बात यह है कि जब हमने ऐसे बच्चों को चिन्हित किया तो यह बात सामने आई कि परिवार किन्हीं अप्रत्याशित कारणों से सड़क को नहीं छोड़ना चाहते। इसके लिए उपाय के तौर पर करीब 34 तरह की योजनाओं को चिन्हित किया गया है जिनसे परिवार को जोड़ा जाए। यह पहली बार कोशिश की गई है कि कैसे बाल कल्याण समिति यह आदेश कर सकती है कि परिवारों को इन योजनाओं के साथ जोड़ा जाए जिससे कि परिवारों का भरण पोषण स्थानीय स्तर पर हो सके। भारत जैसै देश में हम परिवार से अलग करके बच्चों की कल्पना नहीं कर सकते हैं। इसलिए हमारे संकल्प में परिवार को शामिल करना प्रमुखता होना चाहिए। बच्चों की वेलबीइंग सुनिश्चित करने के लिए केवल सरकार पर निर्भर नहीं रहा जा सकता। इसके लिए परिवार की अहमियत को समझना होगा और उन्हें बच्चों के विकास की परिधि के केंद्र में रखना होगा और परिवार को मजबूत करना होगा जिसके बाद ही इस समस्या का समाधान हो सकेगा।

हाल ही में सर्वोच्च न्यायालय ने भी इस विषय में स्वत: संज्ञान लेकर राज्यों को निर्देश दिया है कि सभी राज्य आयोग द्वारा जारी एसओपी के क्रियान्वयन को सुनिश्चित कर न्यायालय को रिपोर्ट सौंपे। माननीय सर्वोच्च न्यायालय के इस आदेश से देश भर के बाल अधिकार कार्यकर्ताओं की उम्मीद जगी है एवं बाल सुरक्षा तंत्र में लगे कर्मचारियों में भी नई उर्जा का संचार हुआ है। इस दस्तावेज में सुझाए गए तरीके स्ट्रीट चिल्ड्रेन की समस्या के स्थायी समाधान के लिए बाल अधिकार कार्यकर्ताओं तथा कर्मचारियों को सहयोग और दिशा प्रदान करेंगे।

लेखक अध्यक्ष, राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग हैं

बेटी आदिरा को बंटी और बबली 2 आई पसंद:रानी मुखर्जी

बॉलीवुड अभिनेत्री रानी मुखर्जी इस बात से खुश हैं कि बेटी आदिरा को उनकी नई कॉमेडी फिल्म बंटी और बबली 2 बहुत पसंद आई। उनकी बेटी ने पहले कभी रानी अभिनीत फिल्म नहीं देखी है। यह फिल्म शुक्रवार को रिलीज होने वाली है। रानी ने कहा, फिल्म बंटी और बबली 2 कई वजहों से मेरे लिए खास है। इसमें न केवल मुझे विम्मी जैसा किरदार निभाने को मिल रहा है और सैफ के साथ काम करने का मौका मिला है बल्कि मुझे ज्यादा खुशी इस बात की है कि बंटी और बबली 2 मेरी पहली फिल्म है, जिसे आदिरा ने देखा और खूब पसंद किया।

यह पल मेरे और मेरे करियर के लिए बहुत खास है। फिल्म पर उसकी प्रतिक्रिया देखकर बहुत अच्छा लगा।

रानी ने बताया कि आदिरा फिल्म की कॉमेडी को देखकर हंस रही थी। मैं बहुत खुश हूं कि मैं उसे हंसा सकी।

यह एक सर्वोत्कृष्ट हिंदी फिल्म है और मुझे विश्वास है कि यह दुनिया भर के दर्शकों का मनोरंजन करेगी।

उन्होंने कहा, बंटी और बबली 2 सभी दर्शकों के लिए, सभी आयु के लोगों के लिए है और यह दुर्लभ है क्योंकि उद्योग इन दिनों ऐसी सार्वभौमिक फिल्में नहीं बना रहा है।

सू- दोकू क्र. 89

	9			2				1
		5	1				3	
7				9		8		5
	8		3		7		5	
2		7				1		3
	4			1			8	
6		2			9			
	5		7			3		
		8		5			6	7

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गो का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.88 का हल

7	8	2	6	3	1	4	5	9
6	4	1	8	5	9	2	7	3
9	3	5	4	7	2		1	8
2	6	3	1	9	7	5	8	4
5	7	8	3	6	4	1	9	2
1	9	4	5	2	8	7	3	6
4	5	7	2	8	3	9	6	1
3	1	6	9	4	5	8	2	7
8	2	9	7	1	6	3	4	5

चीन को दो टूक

हाल के वर्षों में पहली बार भारत ने अपने सख्त बयान में चीन को चेताया है कि भारत किसी भी सूरत में चीन के अवैध कब्जे और सीमा को लेकर उसके अनुचित दावों को स्वीकार नहीं करेगा। अमेरिकी रक्षा विभाग, पेंटागन की एक रिपोर्ट में दावा किया गया था कि अरुणाचल प्रदेश सेक्टर में वास्तविक नियंत्रण रेखा से लगे एक विवादित क्षेत्र में चीन ने एक बड़ा पक्का गांव बनाया है।

इस पर पहली आधिकारिक प्रतिक्रिया में भारत ने चीन को दो टूक शब्दों में अपनी यह बात कही। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा कि भारत अपनी सुरक्षा पर प्रभाव डालने वाले सभी घटनाक्रमों पर निरंतर नजर रखता है। इसके साथ ही अपनी संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता की रक्षा के लिये सभी आवश्यक कदम उठाता है। वहीं दूसरी ओर सरकार का कहना है कि राजनयिक स्तर पर पूरी मजबूती के साथ इस तरह की गतिविधियों के प्रति अपना विरोध दर्ज कराया गया है और भविष्य में हम ऐसा ही करेंगे।

वहीं भारत का यह भी कहना है कि सीमावर्ती इलाकों में जहां चीन ने दशकों से कब्जा कर रखा है, उन क्षेत्रों में उसने कुछ निर्माण भी किया है, तो उसे हम स्वीकार नहीं करते। दरअसल, हाल ही में चीन ने अपने साम्राज्यवादी मंसूबों को पूरा करने के लिये नया विवादित सीमा कानून पारित किया है। आशंका है कि नये सीमा कानून की आड़ में वह इस निर्माण को स्थायी सैन्य शिविर में न तबदील कर दे। कहा जा रहा है कि जिस विवादित इलाके में चीन ने गांव का निर्माण किया है, उसके पास ही 1962 के युद्ध के दौरान भारत की अंतिम पोस्ट हुआ करती थी। कालांतर में इलाका विवादित घोषित होने के बाद भारतीय सेना की स्थिति में बदलाव किया गया था। हालांकि, भारतीय सेना की तरफ से कहा जाता रहा है कि चीन का बुनियादी ढांचे का निर्माण एलएसी में चीन के अधिकार क्षेत्र में हुआ है।

यह सर्वविदित है कि अरुणाचल प्रदेश पर चीनी की टेढ़ी नजर दशकों से रही है और वह इसे तिब्बत के विस्तार के रूप में बताता रहा है। चीन गाहे-बगाहे भारतीय राजनेताओं के अरुणाचल जाने पर तल्ख प्रतिक्रिया देता रहा है, जिसे भारत ने सदा खारिज ही किया है। इस साल जनवरी में कुछ सैटेलाइट तस्वीरों के हवाले से दावा किया गया था कि चीन ने अरुणाचल प्रदेश में भारत के नियंत्रण वाले इलाकों में पक्के घरों वाला एक गांव बसाया है। तब विदेश मंत्रालय ने कहा था कि वह खबरों पर नजर बनाये हुए है। बताया जाता है कि सारी चू नदी के तट का यह इलाका वर्ष 1962 के युद्ध में हिंसक संघर्ष का प्रत्यक्षदर्शी रहा है। ऐसा भी नहीं है कि विषम भौगोलिक जटिलताओं वाले निर्जन इलाकों की सुरक्षा को लेकर भारत सजग नहीं है। भारत ने इस इलाके में बड़े पैमाने पर सड़कों, सुरंगों, पुलों और रेल सेवा के विस्तार की दिशा में सार्थक प्रयास किये हैं ताकि सेना की आपूर्ति को सुगम बनाकर सुरक्षा की किसी भी चुनौती से मुकाबला किया जा सके। इसके साथ ही लद्दाख व अरुणाचल प्रदेश क्षेत्र में सशस्त्र सेना की तैनाती को बढ़ाया गया है। अब इस इलाके में आधारभूत संरचना निर्माण में तेजी लाने से सेना की एलएसी पर पहुंच आसान व समय रहते हो पायेगी। साथ ही सीमावर्ती इलाकों में रहने वाले भारतीयों को भी इन विकास कार्यों का लाभ मिलेगा। दरअसल, पूर्वोत्तर राज्य अरुणाचल प्रदेश और तिब्बत के बीच के इलाके को मैकमोहन रेखा विभाजित करती है। लेकिन चीन इस पर ईमानदार नजर नहीं आता। वहीं कुछ अंतर्राष्ट्रीय मामलों के जानकार मानते हैं कि संभवत: चीन इस्राइल जैसी रणनीति अपना रहा है। इस्राइल भी गाजा पट्टी में पहले इसी तरह के भवन बना देता है और फिर उस इलाके में आबादी को बसा देता है। जिसका लगातार फिलस्तीन की तरफ से विरोध किया जाता रहा है। यद्यपि आम लोगों में यह जानने की उत्सुकता बनी रहेगी कि गांव का निर्माण चीन नियंत्रित क्षेत्र में है या भारतीय क्षेत्र में। बहरहाल, चीन को अंतर्राष्ट्रीय कानूनों के हिसाब से सीमाओं का सम्मान करना चाहिए।

आंतरिक मार्गों के लिए दस लाख देने की घोषणा

नगर संवाददाता

ऋषिकेश। ऋषिकेश विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत हरिपुर कला में विधानसभा अध्यक्ष प्रेमचंद अग्रवाल ने आंतरिक मोटर मार्गों के निर्माण एवं सामुदायिक भवन निर्माण के लिए विधायक निधि से 10 लाख रुपए जले की घोषणा की। जबकि विभिन्न सार्वजनिक स्थानों पर 150 स्ट्रीट लाइट भी लगाई जाएगी।

इस अवसर पर अग्रवाल ने कहा है कि हरिपुर कला क्षेत्र में आंतरिक मोटर मार्गों का जाल बिछा हुआ है। उन्होंने कहा है कि उनकी प्राथमिकता मे शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों के समुचित विकास करने की है। जनता मिलन कार्यक्रम के दौरान अग्रवाल ने अपने संबोधन में कहा है कि मोटर मार्ग, विद्युत व्यवस्था और शुद्ध पेयजल आपूर्ति यह आम जनजीवन की मुख्य समस्या रहती है इसके समाधान के लिए ऋषिकेश विधानसभा में पर्याप्त मात्रा में मोटर मार्गों का निर्माण किया गया है जिससे लोगों को आवागमन में सुविधा हो रही है।

अग्रवाल ने कहा है कि शुद्ध पेयजल आपूर्ति के लिए ऋषिकेश के ग्रामीण क्षेत्रों में अनेक पेयजल की योजनाएं संचालित की जा रही है जो 30 वर्षों की कार्य योजना के तहत बनाई जा रही है। विद्युत व्यवस्था को लेकर अनेक नए ट्रांसफार्मर क्षेत्र में लगाए गए ताकि लो वोल्टेज की समस्या न रहे। बंचिंग केबल का कार्य विभिन्न क्षेत्रों में किया गया है जिससे लोगों को विद्युत करंट लगने जैसी समस्या से भी निजात मिल रही है।

उन्होंने कहा है कि जिन क्षेत्रों में मोटर मार्गों का डामरीकरण नहीं हुआ है वहां के लिए विधायक निधि से पांच लाख दिए जा रहे हैं। जबकि हरिपुर कला में सामुदायिक भवन का निर्माण भी किया जाएगा जिसके लिए पांच लाख विधायक निधि से दिए गए हैं। उन्होंने कहा है कि सार्वजनिक स्थानों पर स्ट्रीट लाइट की व्यवस्था की जाएगी ताकि लोगों को जंगली जानवरों के खतरों से बचा जा सके एवं आवागमन में परेशानी न हो

इस अवसर पर महंत कमल दास महाराज, कांता प्रसाद बडोला, स्वामी अखिलेश योगी, हरिपुर कला की प्रधान गीतांजलि जखमोला, समाजसेवी मनोज जखमोला, युवा मोर्चा के महामंत्री अंकित बाहुखंडी, कृष्ण लाल दुआ, अमित शर्मा, सुरेंद्र रयाल, रितु दुआ, राजेश लखेडा, राजेश भारद्वाज, धर्मेंद्र मोहन ग्वाडी, उपप्रधान मनोज शर्मा आदि मौजूद रहे।

कथक संध्या ने मोहा सबका मन, मेयर ने की जमकर सराहना

संवाददाता

देहरादून। पद्म सिद्धि फिल्म्स की ओर से आज नगर निगम स्थित टाउन-हॉल में 'कथक संध्या' का आयोजन किया गया। इस मौके पर आरती शाह ने अपनी मनमोहक प्रस्तुति से सबका मन मोह लिया।

इस मौके पर बतौर मुख्य-अतिथि मेयर सुनील उनियाल गामा ने कहा कि इस तरह के आयोजन हमकों अपनी संस्कृति के नजदीक ले जाते हैं। आजकल तेज म्यूजिक के शोर में जहाँ लोग खोते जा रहे हैं। वहीं कथक आंखों को और मन को सुकून देता है। वहीं अभिनेता-निर्देशक 72 घंटे- सुमेरु फिल्म और पद्म सिद्धि फिल्म्स के संस्थापक अविनाश ध्यानी ने कहा कि हमारी ओर से नए कलाकारों को मौका दिया जाता है और इस दिशा में हम निरन्तर प्रयास जारी रखेंगे। इस मौके पर दून डिफेंस एकेडमी के संस्थापक संदीप गुप्ता ने कहा कि नए कलाकारों को मंच देना बेहद सराहनीय कदम है। इससे पहले उपमा शुक्ल की शिष्या आरती शाह ने कथक की प्रस्तुति दी। इस मौके पर मेघा ध्यानी, सुनिष्ठा खेतवाल , विभूषित सिंह, श्याम भार्गव और दिनेश तुलसी भट्ट ने भी अत्यंत खूबसूरत प्रस्तुति दी।

टेलीकॉम कंपनियों ने 12 माह के साल को 13 माह का बनाया: संजय

नगर संवाददाता

देहरादून। कांग्रेस नेता संजय कन्नौजिया ने टेलीकॉम कंपनियों द्वारा बढ़ाये गये टैरिफ प्लान पर तंज कसते हुए कहा है कि टेलीकॉम कंपनियों ने 12 माह के साल को 13 माह का बना दिया है। इसको लेकर संजय कन्नौजिया ने 13 माह का कैलेंडर भी जारी किया है।

आज प्रेस क्लब में पत्रकारों से वार्ता करते हुए संजय कन्नौजिया ने बीएसएनएल के मुद्दे पर सरकार को घेरा तो वहीं सरकार पर एयरटेल और जीओ जैसी टेलीकॉम कंपनियों को फायदा पहुंचाने का आरोप लगाया है। एक कैलेंडर जारी करते हुए कहा कि जहां एक साल में 12 महीने होते हैं वहीं टेलीकॉम कंपनियों ने इसे 13 महीने में तब्दील कर दिया।

टेलीकॉम कंपनियां ग्राहकों को 30 दिन की बजाय महज 28 दिन का ही रिचार्ज उपलब्ध कराती है और अब चिंता की बात तो यह है कि दिनों की संख्या और घटाने की तैयारी भी कंपनियों ने कर ली है। टेलीकॉम कंपनियां पूरी तरह से लोगों की जेब पर डाका डालने की तैयारी में है। उन्होंने कहा कि सरकार की गलत नीतियों के कारण बीएसएनएल का बुरा हाल है और कई टेलीकॉम कंपनियां बंद हो चुकी है। इसलिए भी टेलीकॉम कंपनियों की मनमानी बढ़ रही हैं।

कन्नौजिया ने कहा कि टेलीकॉम कंपनियों ने एक झटके में प्रीपेड प्लान 20 से 25 प्रतिशत तक महंगे कर दिए हैं। बिलिंग साइकिल 30 से घटाकर 28 और 24 दिन कर दी गई है जबकि कनेक्टिविटी और स्पीड का बुरा हाल है। एक तरफ सरकार पढ़ाई-लिखाई से लेकर सारे कामकाज ऑनलाइन करने पर जोर दे रही है, दूसरी तरफ इंटरनेट महंगा होता जा रहा है। इस तरह के डिजिटल इंडिया से डिजिटल डिवाइड बढ़ेगा। क्योंकि आज के दौर में इंटरनेट एक बुनियादी सेवा है। यह सस्ती और सर्वसुलभ होनी चाहिए। उन्होंने ये आशंका भी जताई कि कहीं सरकार टेलीकॉम कंपनियों की तर्ज पर स्कूल फीस, बिजली, पानी बिल, सीवर और हाउस टैक्स भी एक महीने की बजाय 28 दिन में ना वसूलने लगे। कन्नौजिया ने जनता से अब इस लूट के खिलाफ एकजुट होकर आवाज बुलंद करने का आह्वान किया।

इस मौके पर उन्होंने राजपुर विधानसभा के कुछ एरिया में 1 दिसंबर से डेमो के तौर पर फ्री वाई-फाई सेवा देने का ऐलान किया है। यह सेवा चुनिंदा जगहों पर शुरू होगी। इसका मकसद इंटरनेट से वंचित बच्चों को पढ़ाई-लिखाई में मदद करना है। साथ ही उन्होंने ये वादा किया कि अगर जनता ने उन्हें मौका दिया तो वो अपनी पूरी विधानसभा में फ्री वाई फाई देकर हर वर्ग के लिए इस परेशानी को दूर करने का काम करेंगे।

तहसील कार्यालय में नहीं पहुंच रहे अधिकारी

बागेश्वर (आरएनएस)। तहसील में आने वालों को अधिकारियों के नहीं मिलने से खासी परेशानी हो रही है। उन्होंने क्षेत्रीय विधायक से इस समस्या के समाधान की मांग की है। उन्होंने कहा कि उन्हें तहसील मुख्यालय में आने के लिए सैकड़ों रुपये खर्च करने पड़ते हैं और यहां आकर अधिकारी नहीं मिले तो परेशानी दोगुनी हो जाती है। इस तरह की समस्या उनके सामने आए दिन आ रही है।

उन्होंने बताया कि मंगलवार के दिन तहसील में उपजिलाधिकारी, तहसीलदार, नायब तहसीलदार व पेशकार के कार्यालय में न होने से दूर दराज से यहां आए लोग परेशान रहे। रजिस्ट्रार कानूनगो की हड़ताल से परेशानी और बढ़ गई है। उनका कहना है कि लंबे समय से ये उच्चाधिकारियों ने कांडा तहसील कार्यालय में पैर तक नहीं रखा है, जिससे आमजनमानस को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। उन्हें बैरंग लौटा पड़ रहा है। यहां पहुंचे ग्रामीणों ने इससे के निवारण के लिए स्थानीय विधायक बलवंत सिंह भौर्याल को फोन से संपर्क करने का प्रयास किया, देहरादून कैबिनेट में होने से फोन स्वीच ऑफ था, जिससे ग्रामीणों को मायूसी ही हाथ लगी। तहसीलदार दीपिका आर्या ने बताया उनके सहित एसडीएम के पास बागेश्वर सदर का भी चार्ज है, वो पिछले हफ्ते ही कांडा तहसील कार्यालय में थी, काम किसी का भी नहीं रोका जा रहा है, प्राथमिकता से सभी कामकाज निपटाएं जा रहे हैं।

कच्ची शराब सहित महिला तो स्मैक सहित युवक गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

देहरादून। थाना रायवाला पुलिस द्वारा नशा तस्करी के खिलाफ कार्यवाही करते हुए जहां एक महिला को दस लीटर कच्ची शराब सहित गिरफ्तार किया गया है। वहीं एक स्मैक तस्कर को भी पुलिस द्वारा धर दबोचा गया है।

जानकारी के अनुसार बीते रोज थाना रायवाला पुलिस गश्त पर थी। इस दौरान जब पुलिस साहबनगर पुलिया के समीप पहुंची तो वहां उसे एक संदिग्ध महिला आती हुई दिखायी दी। पुलिस ने जब उसे रोकर उसके पास रखे एक कैन की तलाशी ली तो उसमें रखी दस लीटर कच्ची शराब बरामद हुई। थाने लाकर की गयी पूछताछ में उसने अपना नाम पुष्पा पत्नी तेजबहादुर निवासी छिद्दरवाला बताया। पुलिस ने उसे आबकारी अधिनियम के तहत गिरफ्तार कर लिया है। वहीं दूसरी ओर पुलिस ने खांड गांव पुलिया के समीप एक संदिग्ध स्कूटी सवार को रोका तो वह पुलिस को देखकर भागने का प्रयास करने लगा। इस पर उसे घेर कर दबोचा गया। तलाशी के दौरान पुलिस ने उसके पास से 4.60 ग्राम स्मैक बरामद की। पूछताछ में उसने अपना नाम मनीष सेमवाल पुत्र स्व. चडीं प्रसाद सेमवाल निवासी प्रतीत नगर रायवाला बताया। पुलिस ने उसके खिलाफ एनडीपीएस एक्ट की धाराओं में मुकदमा दर्ज कर उसे न्यायालय में पेश कर दिया है।

एक नजर

अपराध शाखा के समक्ष पेश हुए मुंबई के पूर्व पुलिस आयुक्त परमबीर सिंह

मुंबई। मुंबई के पूर्व पुलिस आयुक्त परमबीर सिंह बृहस्पतिवार को यहां पहुंचने के बाद अपराध शाखा के समक्ष पेश हुए। मुंबई की एक अदालत ने उन्हें भगोड़ा घोषित किया है और उन्हें जांच में शामिल होने का निर्देश भी दिया था। एक अधिकारी ने बताया कि सिंह चंडीगढ़ से यहां पहुंचे हैं। वह आदेश के अनुरूप जांच का हिस्सा बनने के लिए यहां पहुंचे हैं और जांच में सहयोग करेंगे।श्श सिंह ने यहां पहुंचते ही पत्रकारों से कहा था, मैं अदालत के निर्देश के अनुरूप जांच का हिस्सा बनूंगा। अधिकारी ने बताया कि हवाई अड्डे से निकलने के बाद सिंह मुंबई पुलिस की अपराध शाखा की इकाई–११ के समक्ष पेश हुए। गोरेगांव थाने में दर्ज रंगदारी के मामले में उनका यहां बयान दर्ज किया जाएगा। गौरतलब है कि उद्योगपति मुकेश अंबानी के घर एंटीलिया के बाहर एक गाड़ी से विस्फोटक मिलने के बाद दर्ज मामले में मुंबई पुलिस के अधिकारी सचिन वाजे की गिरफ्तारी के बाद सिंह को मार्च २०२१ में मुंबई पुलिस आयुक्त पद से हटा दिया गया था। इसके बाद सिंह को होम गार्ड्स का महानिदेशक नियुक्त किया था। सिंह ने महाराष्ट्र के तत्कालीन गृह मंत्री अनिल देशमुख पर भ्रष्टाचार के आरोप लगाए थे जिसे देशमुख ने खारिज किया था। देशमुख बाद में मंत्री पद से हट गए और केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने सिंह के आरोपों पर उनके खिलाफ मामला दर्ज किया था।

कंगना रनौत को दिल्ली विधानसभा की शांति एवं सद्भाव समिति ने तलब किया

नयी दिल्ली। विधानसभा की शांति एवं सद्भाव समिति ने सोशल मीडिया पर कथित तौर पर घृणा फैलाने वाले पोस्ट के मामले में अभिनेत्री कंगना रनौत को तलब किया है। समिति के अध्यक्ष राघव चड्ढा ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। समिति की ओर से जारी एक बयान में बताया गया है कि कंगना द्वारा इंस्टाग्राम पर की गई टिप्पणियों को कथित तौर पर आपत्तिजनक तथा अपमानजनक बताने वाली शिकायतों के आधार पर अभिनेत्री को नोटिस जारी कर छह दिसंबर को पेश होने को कहा गया है। शिकायतों में दावा किया गया है कि कंगना ने अपने कथित पोस्ट में सिख समुदाय को खालिस्तानी आतंकवादी बताया था।

तालिबान ने भारतीय मदद का किया स्वागत, अटारी के रास्ते भेजा जाएगा गेहूं और दवा

नई दिल्ली। तालिबान ने भारतीय मदद का स्वागत किया है। अफगानिस्तान की तालिबानी सरकार ने पाकिस्तान के उस फैसले की भी सराहना की है जिसके तहत पाक भारत को अफगानिस्तान में लोगों की मदद के लिए अपनी सड़क के इस्तेमाल की अनुमति दे रहा है। बता दें, भारत अफगानिस्तान को मानवीय मूल्यों के आधार पर ५० हजार मीट्रिक टन गेहूं और जीवनरक्षक दवाओं की सहायता कर रहा है। बता दें, भारत पाकिस्तान के अटारी–वाघा बार्डर के रास्ते अफगानिस्तान में गेंहू और दवा भेज रहा है। वहीं, तालिबान ने भारतीय राजनयिकों को अफगानिस्तान में वापस लाने के लिए फिर से इच्छा जाहिर की है। पाकिस्तान और चीन से निराश होने के बाद अफगानिस्तान की तालिबान सरकार ने भारत से मदद की गुजारिश की थी. जिसके बाद मानवीय मूल्यों के आधार पर भारत मुफ्त में गेहूं की बड़ी खेप और दवाईयों का स्टॉक अफगानिस्तान भेज रहा है। पहले पाकिस्तान की इमरान खान सरकार ने अपनी जमीन देने को तैयार नहीं था. लेकिन तालिबान के कहने पर न चाहते हुए भी उसे हामी भरनी पड़ी। गौरतलब है कि तालिबान के जबरन अफगानिस्तान की सत्ता पर काबिज होने के बाद वहां खाद्दान की घोर किल्लत है। इलाज के लिए दवा भी नहीं है। जनता की भूखों मरने की नौबत है। तालिबान के सबसे बड़े रहनुमा बनने का दावा करने वाले चीन और पाकिस्तान भी वहां की समस्या पर कोई मदद नहीं दे रहे हैं।

खलंगा मेले में वनभोज होगा विशेष आकर्षणः दीपक

नगर संवाददाता

देहरादून। बलभद्र खलंगा विकास समिति नालापानी के तत्वावधान में आगामी 28 नवंबर को सागरताल नालापानी में खलंगा मेले का आयोजन किया जाएगा।

आज प्रेस क्लब में पत्रकारों से वार्ता करते हुए समिति के अध्यक्ष दीपक बोहरा ने कहा कि प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी सागरताल नालापानी देहरादून में ऐतिहासिक भव्य 47वां खलंगा मेले का आयोजन किया जा रहा है। समिति की मुख्य सचिव प्रभा शाह ने बताया कि इस आयोजन का शुभारंभ 27 नवंबर को स्वास्थ्य जागरूकता एवं पर्यावरण संरक्षण संदेश हेतु सुबह साढ़े बजे खलंगा ब्रेवरी बाईकऐथन (खलंगा बहादुरी साईकिल यात्रा) से होगा। यह यात्रा खलंगा स्मारक सहस्त्रधारा रोड से प्रारंभ होगी और खलंगा कीर्ति स्तंभ नालापानी में समाप्त होगी। जिसके बाद चन्द्रायनी मंदिर नालापानी में हवन पूजन कीर्तन और भण्डारे का आयोजन होगा।

बताया कि 28 नवंबर को सुबह साढ़े सात बजे खलंगा युद्ध स्मारक सहस्त्रधारा रोड से यातायात नियमों के पालन जागरूकता संदेश हेतु मोटरसाईकिल यात्रा का शुभारंभ होगा और खलंगा कीर्ति स्तंभ नालापानी में समापन होगा। जिसके बाद सागरताल नालापानी में भव्य 47वां खलंगा मेला का आयोजित होगा। इस मेले का खास आकर्षण समिति द्वारा आयोजित किया जाने वाला वन भोज होगा।

उन्होंने बताया कि इस मेले में 1814 में हुए खलंगा युद्ध के इतिहास का विस्तृत वर्णन, सांस्कृतिक कार्यक्रम में विभिन्न क्षेत्रों से आए हुए गोर्खाली, गढ़वाली एवं कुमाऊंनी लोकनृत्यों की रंगारंग प्रस्तुतियां आर्मी बैंड डिस्प्ले, वीरता के प्रतीक सुप्रसिद्ध खुखरी नृत्य का आयोजन, लजीज गोर्खाली व्यंजनों स्टाल एवं लॉटरी के लक्की ड्रा भी मुख्य आकर्षण का केंद्र होंगे।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कैबिनेट मंत्री डा. हरक सिंह रावत, विशिष्ठ अतिथि कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी तथा रायपुर विधानसभा क्षेत्र के विधायक उमेश शर्मा काऊ होंगे। प्रेसवार्ता में बलभद्र खलंगा विकास समिति के मुख्य सलाहकार कर्नल सीबी थापा, उपाध्यक्ष सुश्री बीनू गुरूंग, पूर्व अध्यक्ष राम सिंह थापा आदि मौजूद रहे।

वोटर कार्ड बनाने को चलाया जा रहा है विशेष अभियानः जितेंद्र

नगर संवाददाता

देहरादून। उप मुख्य निर्वाचन अधिकारी जितेन्द्र कुमार ने जानकारी देते हुए बताया कि विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम के अन्तर्गत 1 नवम्बर से 30 नवम्बर तक विशेष अभियान चलाकर अधिक से अधिक लोगों को वोटर कार्ड बनाने के लिये प्रेरित किया जा रहा है।

सभी बीएलओ अपने बूथ पर बैठकर नये पंजीकरण कर रहे हैं व वोटर कार्ड में किसी भी प्रकार का यदि संशोधन है तो उसे भी किया जा रहा है। 25 नवम्बर, 2021 से 05 दिन इस विशेष कार्यक्रम के शेष रह जायेंगे। मजबूत लोकतंत्र-रोशन उत्तराखण्ड कार्यक्रम के तहत शाम सात बजे बूथ पर मोमबत्ती, दिये व मशाल जलाकर लोगों को संदेश दिया गया कि जो लोग अभी तक भी अपना वोटर कार्ड नहीं बना पाये हैं। 30 नवम्बर तक अपने नजदीक के बूथ पर जाकर पंजीकरण करवायें। वोटर हैल्पलाईन एप डाउनलोड करके भी वोटर कार्ड बनाने के लिए पंजीकरण किया जा सकता है। प्राचीन समय से ही पहाड़ों पर मशाल जलाकर संदेश देने की प्रथा है। दूर पहाड़ों पर रात्रि को चीड़ की छाल जलाकर प्रकाश के द्वारा संदेश दिया जाता रहा है। इस कार्यक्रम के आयोजन के लिए समस्त जनपदों को निर्देश जारी किये जा चुके हैं। देहरादून में राजकीय बालिका इंटर कॉलेज के बूथ पर आयोजित कार्यक्रम में स्वीप कॉर्डिनेटर सुजाता, स्वीप कन्सल्टेंट अनुराग गुप्ता, जिला कार्यक्रम अधिकारी देवेन्द्र थपलियाल, अखिलेश मिश्रा, प्रधानाचार्य प्रेमलता बौड़ाई एवं बीएलओ द्वारा प्रतिभाग किया गया।

आवश्यकता है
आवश्यकता है एक माली की।
संपर्क करें-
9358134808

जयपुर बाल विधानसभा में प्रतिभाग करने वाली रिद्धि सम्मानित

ऋषिकेश। जयपुर में आयोजित बाल विधानसभा सत्र में प्रतिभाग करने वाली ऋषिकेश पब्लिक स्कूल की छात्रा रिद्धि कोहली को विधानसभा अध्यक्ष प्रेमचंद अग्रवाल ने सम्मानित किया।

ऋषिकेश स्थित कैंप कार्यालय में विधानसभा अध्यक्ष ने रिद्धि कोहली को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि रिद्धि होनहार छात्रा है बड़े होकर वह प्रदेश का नाम देश में रोशन करेगी। ज्ञात हो कि अखिल भारतीय डिजिटल बाल मेला राजस्थान सरकार द्वारा आयोजित किया गया था जिसमे 5500 बच्चों में 200 बच्चों का चयन हुआ। जिन सभी ने बाल दिवस पर राजस्थान विधानसभा में बाल संसद चलायी। इस मौके पर राजस्थान सरकार के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत एवं विधान सभा अध्यक्ष सीपी जोशी उपस्थित रहे। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि लोक सभा अध्यक्ष ओम बिरला थे। उत्तराखंड विधानसभा अध्यक्ष प्रेमचंद अग्रवाल ने कहा है कि इस प्रकार के कार्यक्रमों में प्रतिभाग कर जहां बच्चों को अपने प्रतिभा दिखाने का अवसर प्राप्त होता है वही बच्चों के अंदर कुछ करने की जिज्ञासा भी उत्पन्न होती है। उन्होंने रिद्धि कोहली को सम्मानित कर अपनी शुभकामनाएं दी।

युवाओं को अवसर, उम्र..

▶▶ पृष्ठ 1 का शेष

रावत, त्रिवेंद्र सिंह रावत, काबीना मंत्री डॉ हरक सिंह रावत व सुबोध उनियाल सहित अनेक नेताओं ने अपने विचार रखे। बैठक में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के उत्तराखंड दौरे की तैयारियों पर भी चर्चा की गई। प्रधानमंत्री 3 या 4 दिसंबर को दून आने वाले हैं जिनकी जनसभा से भाजपा अपने चुनावी अभियान की शुरुआत करने जा रही है। प्रह्लाद जोशी का कहना है कि सभी समितियों को उनका काम सौंप दिया गया है।

आवश्यकता है
होटल साइना इन में आवश्यकता है वेटर व बिल क्लर्क की।
संपर्क करें-
9358134808

आर.एन.आई. 59626/94
स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती पुष्पा कांति कुमार द्वारा दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग घंटाघर, देहरादून से प्रकाशित तथा अवि प्रिंटर्स 21 ईसी रोड, देहरादून से मुद्रित।

प्रधान संपादक
कांति कुमार

संपादक
पुष्पा कांति कुमार

समाचार संपादक
आनंद कांति कुमार

कानूनी सलाहकारः
वी के अरोड़ा, *एडवोकेट*
बैजनाथ, *एडवोकेट*

कार्यालयः दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग देहरादून।
मो. 9358134808
नोटः सभी विवादों के लिये देहरादून न्यायालय ही मान्य होगा, प्रकाशित सामग्री के लिए प्रिंटर्स की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।